RNI NO: UPHIN2023/88802

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित

भारत का बदलता शासन

हर सच की पहचान...

वर्ष-02, अंक-207, गाजियाबाद, बुधवार, 14.05.2025 पृष्ठ-08, मूल्य-3/-

8527848454

सूर्योदय 05 : 31 | सूर्यास्त 07 : 04

आज का तापमान °C 40/26

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) - 141

आज का विचार

"अपने सपनों को पाने के लिए आज ही शुरूआत करें। कल कभी नहीं आएगा।"

follow X - @Bharatkbs

शेयर मार्केट

SENSEX 81,148.22

NIFTY 24,578.35

सर्राफा बाजार

सोना प्रति 10 ग्राम 98040/-

चांदी प्रति किलो ग्राम 97,800/-

फर्जी निकला सामूहिक दुष्कर्म का मामला, शिकायतकर्ता युवती गिरफ्तार

follow X - @Bharatkbs Page- 3

भारत- पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद सीमावर्ती शहरों में हवाई सेवाएं बहाल

नई दिल्ली। भारत- पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद मंगलवार को सीमावर्ती शहरों में स्थित हवाई अड्डों में हवाई सेवा बहाल हो गई। जम्मू,श्रीनगर, अमृतसर, आदमपुर,साहनेवाल (लुधियाना) और बठिंडा एयरपोर्ट से विमानों का संचालन शुरू हो गया है। इंडिगो और एअर इंडिया एयरलाइन द्वारा दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट से मंगलवार को भी अमृतसर, श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, भुज, जामनगर और राजकोट के लिए उड़ानें रद कर दी गईं। मंगलवार को 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में विलंब हुआ, जबकि एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान को रद करना पड़ा। घरेलू उड़ानों की बात करें तो 18 उड़ानों में देरी दर्ज की गई और 91 उड़ानें रद कर दी गईं। जम्मू और श्रीनगर एयरपोर्ट पर मंगलवार दोपहर से विमानों का परिचालन फिर से बहाल कर दिया गया। जम्मू एयरपोर्ट के निदेशक संजीव कुमार गर्ग का कहना है कि अगर सब कुछ ठीक रहा था बुधवार से एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही सुचारू रहेगी। उधर, श्रीनगर हवाई अड्डे से बुधवार को हज उड़ानें भी बहाल हो जाएंगी। बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच बचे तनाव के चलते विमान सेवाएं बंद की गई थीं। मंगलवार को पंजाब के आदमपुर से स्टार एअर एयरलाइन की फ्लाइट में हिंडन के लिए दो यात्री ही रवाना हुए। इंडिगो ने कहा, 'यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंगलवार के लिए जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें रद की गई हैं।

अचानक बदला मौसम

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार दोपहर को अचानक मौसम बदला। सुबह से आसमान साफ रहा। ऐसे में सूरज अपने तेवर दिखाने लगा था। इस दौरान सूरज की तपिश ने लोगों को गर्मी का अहसास कराया। ऐसे में लोग गर्मी से बेहाल दिखे। लेकिन, दोपहर के समय मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी। इससे लोगों को गर्मी से फौरी राहत मिली है।

मंगलवार को दिल्ली के रिज में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आया नगर में 40.6, पालम में 40.2 और लोधी रोड में 39.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। साथ ही, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 27.7 डिग्री दर्ज किया गया।

भीषण गर्मी के लिए हो जाएं तैयार

दिल्ली में कुछ दिनों से बारिश का दौर चल रहा था। इससे मौसम सुहावना बना रहा, लेकिन मई के मध्य से आसमान से आग बरसने वाली है। आने वाले दिनों में गर्मी का यह सितम और बढ़ने वाला है। पारा 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। ऐसे में लोगों को भीषण गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ेगा। आने वाले दिनों में यह स्थिति और भयावह हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 से पारा 40 के पार जा सकता है। राजधानी में मंगलवार को आसमान साफ रहेगा। साथ ही, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान लगातार सतही हवाएं 20-30 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी जो कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक बढ़ सकती है।

सीबीएसई 10वीं, 12वीं का रिजल्ट घोषित, लड़कियों ने मारी बाजी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं,12वीं का परीक्षा परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया है। इस बार पास प्रतिशत 10वीं में 93.66 फीसदी, 12वीं में 88.39 फीसदी रहा है।

12वीं में 17 रीजन में विजयवाड़ा 99.60 फीसदी के साथ टॉप पर है। वहीं दूसरा स्थान पर त्रिवेंद्रम है। जहां 99.32 फीसदी बच्चे पास हुए हैं।

इसके अलावा प्रयागराज अंतिम 17वें पायदान पर रहा। यहां का पास प्रतिशत 79.53 फीसदी रहा। जबकि दिल्ली वेस्ट का 95.37, दिल्ली ईस्ट का 95.06, चंडीगढ़ का 91.61, पंचकूला का 91.17, देहरादून का 83.45 फीसदी रिजल्ट रहा है। देशभर में जवाहर नवोदय विद्यालय का रिजल्ट सबसे अच्छा रहा है। यहां पास प्रतिशत 99.29 फीसदी रहा है। निजी स्कूल का 87.94 फीसदी के साथ सबसे कम है। जबकि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल का रिजल्ट 91.57 फीसदी रहा।

सीबीएसई 12वीं में गाजियाबाद के जयपुरिया स्कूल की निशिका भंडारी और सेंट टेरेसा स्कूल की रूपसा ने 99.4% अंक हासिल किए हैं। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 6 की छात्रा सिया मखीजा ने 99.02 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र की तुलना में इस बार गौतमबुद्ध नगर जिले का इंटर के परिणाम में गिरावट दर्ज की गई है। पिछली बार से इस बार करीब 5% छात्र-छात्राएं कम पास हुए हैं। इस बार परीक्षा में 127683 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें से कुल 103789 परीक्षार्थी पास में है। जिले का ओवरऑल प्रतिशत 81.29 रहा है। इसमें 74766 छात्रों में से 57718 पास हुए हैं। इनका 77.20 प्रतिशत रहा है। इसी तरह परीक्षा में शामिल 52917 छात्रों में से 46072 पास हुई हैं। इनका ओवरऑल प्रतिशत 87.06 रहा है।

वहीं दसवीं कक्षा में 95 फीसदी छात्राएं पास हुई हैं। 93.66 फीसदी छात्र पास हुए हैं। 10वीं में नोएडा रीजन में इस बार 170111 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें से कुल 150795 परीक्षार्थी पास में है। जिले का ओवरऑल प्रतिशत 89.41 रहा है। इसमें 100397 लड़कों में से 87722 पास हुए हैं। इनका 87.38 प्रतिशत रहा है। इसी तरह परीक्षा में शामिल 68261 छात्राओं में से 63073 पास हुई हैं। इनका ओवरऑल प्रतिशत 87.38 रहा है।

सीबीएसई बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं की जाती है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें। पिछले साल की तुलना में पास होने वालों का प्रतिशत 0.41% बढ़ा है। लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 91% से ज्यादा रहा, जो लड़कों से 5.94% अधिक है।

सीजफायर के बाद भी आतंकवाद पर जारी रहेगा एक्शन

जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर भारत ने ट्रंप को दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन के लिए विख्यात हैं और बहुत संभव है कि पिछले दो दिनों में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव खत्म कराने को लेकर किया गया उनका दावा भी सच न हो। भारत के विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति ट्रंप के इस संदर्भ में किए गए तीनों दावों को सीधे या परोक्ष तौर पर खारिज कर दिया है। भारत ने कहा कि कश्मीर को लेकर उसकी पारंपरिक नीति में कोई बदलाव नहीं आया है कि इससे जुड़े मुद्दे पर सिर्फ पाकिस्तान से बात होगी और बकाया मुद्दा सिर्फ गुलाम जम्मू-कश्मीर को खाली कराने का है। इसी तरह से ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत के बाद सात से 10 मई के दौरान भारत और अमेरिका के शीर्ष नेताओं के बीच बात हुई है, लेकिन इसमें कारोबार को लेकर कोई बात नहीं हुई जैसा राष्ट्रपति ट्रंप दावा कर रहे हैं। इसी तरह भारत ने फिर स्पष्ट किया कि आपरेशन सिंदूर में सिर्फ पारंपरिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। यानी ट्रंप का यह दावा कि उन्होंने संभावित परमाणु टकराव की तरफ बढ़ रहे भारत-पाकिस्तान के बीच समझौता कराया, भी सच से दूर प्रतीत होता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर को खत्म करने की पेशकश पाकिस्तान की तरफ से हुई थी क्योंकि भारतीय सैन्य बलों के 10 मई के हमलों ने वहां के सैन्य ढांचे को तबाह कर दिया था। विस्तार से बताते हुए जायसवाल ने कहा, 'संघर्ष विराम कब, कैसे और किस समय से लागू किया जाना है, इसका फैसला दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच 10 मई की शाम 3.45 बजे हुई टेलीफोन वार्ता में किया गया था। इस वार्ता के लिए उसी दिन दोपहर 12.37 बजे नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से विदेश मंत्रालय को फोन किया गया था। पहले तकनीकी समस्या के कारण बात नहीं हो पाई थी, लेकिन बाद में बात हुई और सहमति बनी। वैसे इसके पहले ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत के साथ ही भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि उसके निशाने पर सिर्फ पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन है।

खास खबरें

भारत ने पाकिस्तानी राजनयिक को किया निष्कासित

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में कार्यरत एक अधिकारी को निष्कासित कर दिया। उसे अपनी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप गतिविधियों में लिप्त नहीं होने के कारण निष्कासित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उक्त अधिकारी को भारत छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत दोनों देशों के बीच चार दिनों तक चले सैन्य टकराव से बढ़े तनाव के बीच यह कार्रवाई की गई है। भारत ने उक्त अधिकारी की गतिविधियों पर नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के प्रभारी को आपत्तिपत्र भी जारी किया है। गौरतलब है कि पहलगाम में आतंकी हमले के तुरंत बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने पाकिस्तान के विरुद्ध कई कदमों की घोषणा की थी। इनमें नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात रक्षा या सैन्य, नौसेना एवं वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित करना शामिल था। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था और नई दिल्ली ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी अपने सैन्य सलाहकारों को वापस बुला लिया था।

सीजफायर पर आप ने साधा भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली। आप ने सीजफायर के फैसले पर भाजपा पर निशाना साधा है। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि जब पीओके लेने की बारी आई तो भाजपा सरकार पीछे हट गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा के तमाम नेता बार-बार कहते थे कि पीओके लिए जान भी दे देंगे, लेकिन जब जान देने की बारी आई तो सीजफायर कर दिया। भारतीय सेना पीओके जीत लेती, लेकिन सरकार ने सुनहरा मौका गंवा दिया।

हंसी के गप्पे

सुबह-सुबह पत्नी नींद से उठते ही बोली- अजी सुनते हो...

पति- बोलो, क्या हुआ?

पत्नी- मुझे सपना आया कि आप मेरे लिए हीरों का हार लेकर आए हो।

पति - ठीक है तो वापस सो जाओ और पहन लो...!

जस्टिस भूषण गवई बनेंगे भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना मंगलवार, 13 मई को सेवानिवृत्त हो गए और उन्होंने अपना कार्यभार सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण (बीआर) गवई को सौंप दिया। न्यायमूर्ति गवई बुधवार, 14 मई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी।

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, 16

अप्रैल को चीफ जस्टिस खन्ना ने उनके नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार को की थी। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 23 दिसंबर को पद से मुक्त हो जाएंगे। वह वर्तमान चीफ जस्टिस खन्ना के बाद सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज हैं।

24 नवंबर, 1960 को अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई को 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट के अडिशनल जज के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 12 नवंबर, 2005 को हाईकोर्ट के स्थायी जज बने। जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में कई संविधान पीठों का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं।

अजय कुमार बने यूपीएससी के चेयरमैन

नई दिल्ली। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय की ओर से मंगलवार को इस आशय का आदेश जारी किया गया।29 अप्रैल को प्रीति सूदन का कार्यकाल पूरा होने के बाद से यूपीएससी चेयरमैन का पद रिक्त था। आदेश के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अजय कुमार की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान कर दी है। 1985 बैच के केरल कैडर के आइएएस अजय कुमार 23 अगस्त, 2019 से 31 अक्टूबर, 2022 तक रक्षा सचिव थे।

जल्द लॉन्च होगा 'समुद्रयान'

कोच्चि। भारत का पहला मानवयुक्त गहरा समुद्र मिशन छह हजार मीटर की गहराई तक समुद्र के रहस्य को खंगालेगा। राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइओटी) के निदेशक बालाजी रामकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि पनडुब्बी 2026 के अंत तक रवाना हो सकता है।

रामकृष्णन ने आइसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआइ) में कहा, मिशन के तहत छह हजार मीटर की गहराई तक गहरे समुद्र में सागर के रहस्यों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

तीन विज्ञानियों को लेकर समुद्र

के सफर पर रवाना होगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एनआइओटी गहरे समुद्र मिशन की नोडल एजेंसी है। स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है स्वदेशी तकनीक से विकसित, 25 टन के चौथी पीढ़ी के यान को विशेष रूप से गहरे समुद्र में अत्यधिक दबाव और तापमान का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें टाइटेनियम से बना पतवार है।

समुद्र अनुसंधान के लिए गेम-चेंजर रामकृष्णन ने कहा, यह मिशन भारत के गहरे समुद्र अनुसंधान के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। यह गहरे समुद्र में संसाधनों के आकलन, और समुद्र पर्यटन की संभावनाओं के लिए नए रास्ते खोलेगा। मिशन गहरे समुद्री क्षेत्र से महत्वपूर्ण नमूने एकत्र करने में सहायक होगा, जिससे विज्ञानियों को क्षेत्र में जीवों और पानी की अनूठी विशेषताओं को समझने के अवसर मिलेंगे।चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत की लांचिग की जाएगी। इस साल के अंत तक 500 मीटर गहराई तक परीक्षण किया जाएगा।

पासपोर्ट सेवा: नहीं लगाने पड़ेंगे दफ्तरों के चक्कर, घर बैठे करें आवेदन ; हर दिन लिए जाएंगे 90 आवेदन

अब पासपोर्ट बनवाना हुआ आसान

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। पासपोर्ट बनवाने में लगने वाले समय को कम करने के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने चार डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) की क्षमता को बढ़ा दिया है। आगरा, मेरठ, वृंदावन और सहारनपुर में अब हर दिन 90 आवेदन लिए जाएंगे जबकि पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट की संख्या को भी बढ़ाया गया है।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने बताया कि पासपोर्ट सेवाओं में बड़ा सुधार किया गया है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद के क्षेत्राधिकार में आने वाले चार डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों आगरा, मेरठ, वृंदावन और सहारनपुर 13 मई से प्रतिदिन पासपोर्ट और पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) के लिए अधिक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अब इन डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर आवेदन की दैनिक सीमा 90 कर दी गई है। वहीं, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट के लिए 10 आवेदन प्रतिदिन लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अन्य डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र अछनेरा, अलीगढ़, बागपत, बुलंदशहर, हाथरस, मुजफ्फरनगर

और नोएडा में पासपोर्ट के 45 और पीसीसी के पांच आवेदन प्रतिदिन स्वीकार किए जाएंगे।

आगरा, मेरठ, वृंदावन और सहारनपुर जैसे शहरों में पासपोर्ट सेवाओं की मांग बीते कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। इस वजह से पीओपीएसके की क्षमता को बढ़ाया गया है। आवेदन स्लाट्स की संख्या सीमित होने के कारण नागरिकों को अप्वाइंटमेंट के लिए कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। क्षमता बढ़ने के बाद अप्वाइंटमेंट जल्दी मिलेगा और पासपोर्ट बनने की प्रक्रिया के समय में भी सुधार होगा।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने लोगों से सही वेबसाइट पर ही पासपोर्ट के लिए आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in है। आवेदन के बाद सही दस्तावेज लेकर लोग आएं तो पासपोर्ट जारी होने में भी कम समय लगेगा।

खास खबरें

मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, इनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है। यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था। वहीं अब यूनुस ने बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात राज्यों के लिए एक एकीकृत आर्थिक योजना का आह्वान कर कहा कि इन देशों और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग रहने की अपेक्षा एक साथ रहने पर अधिक लाभ होगा।

इंदौर पुलिस ने नकली नोट मामले में दो युवकों को पकड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया इलाके में वॉट्सएप के द्वारा नकली नोट बेचने का सौदा कर रहे दो युवकों को पुलिस ने सादी वर्दी में पकड़ा है। आरोपियों के पास से करीब 4 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं, जिन्हें आरोपियों ने असली नोटों की गड्डियों में ऊपर-नीचे छिपा रखा था। पुलिस को शक है कि यह बड़े गिरोह से जुड़ा मामला हो सकता है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक वॉट्सएप के माध्यम से नकली नोटों का सौदा कर रहे हैं। इस पर एक विशेष टीम बनाकर पुलिस ने खुद को ग्राहक बनाकर वॉट्सएप पर ही आरोपियों से संपर्क किया। बातचीत के बाद सौदा तय हुआ और दोनों युवकों को पलासिया इलाके में बुलाया गया। सौदे के मुताबिक, महाराष्ट्र के जलगांव निवासी प्रथमेश येवलेकर और बड़वाह के दीपक कौशल तय समय पर इलाके में पहुंचे। वे एक बैग में नकली नोट लेकर आए थे। पुलिस पहले से ही सादी वर्दी में मौजूद थी। जैसे ही दोनों युवक पहुंचे, टीम ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी में उनके बैग से करीब 20 गड्डियों में छिपे नकली नोट मिले। आरोपी असली नोटों को ऊपर और नीचे रखकर नकली नोटों को बीच में छिपाकर लाए थे, ताकि पहली नजर में नोट असली लगें। पुलिस को नकली के साथ कुछ असली नोट भी मिले हैं। पुलिस का कहना है कि नकली नोट इतने साफ प्रिंट में थे कि लोगों के लिए पहचानना मुश्किल होता। अब यह जांच की जा रही है कि आरोपी ये नकली नोट किससे लेकर आए और इनके पीछे कौन लोग हैं। फिलहाल दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस यह मान रही है कि इस रैकेट में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।

जैसलमेर में पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक

जैसलमेर (एजेंसी)। श्रीगंगानगर के बाद जैसलमेर में भी पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक लगा गई है। कलेक्टर प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर आदेश जारी किया है। इसके पहले श्रीगंगानगर में पाकिस्तानी सिम के उपयोग पर रोक लगी थी। उधर, राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास मिसाइलनुमा वस्तु मिली है। पुलिस ने वस्तु को कब्जे में लेकर सेना को सूचना दी है। उधर, एयरपोर्ट के ऑपरेशनल होने के बाद भी बीकानेर से न ही कोई फ्लाइट गई और न ही आई है। बीकानेर, किशनगढ़ (अजमेर) और जोधपुर के एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं। एयर इंडिया ने ट्रैवल एडवाइजरी कर जोधपुर की फ्लाइट सर्विस को मंगलवार के लिए कैंसिल कर दिया था। इंडिगो की सुबह की फ्लाइट्स के कैंसिल होने की सूचना है। जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर में स्कूल-कॉलेज, यूनिवर्सिटी, आंगनबाड़ी केंद्र और कोचिंग सेंटर्स खुल गए हैं। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे जैसलमेर प्रशासन ने शिक्षण संस्थानों को खोलने का आदेश जारी किया। सुबह से स्कूल-कोचिंग संचालकों में असमंजस की स्थिति थी। उधर, राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर के एक गांव में सोमवार रात को ड्रोन दिखाई दिए थे, जिन्हें भारतीय एयर डिफेंस ने मार गिराया था। झुंझुनूं जिले के चिड़ावा, पिलानी, सिंघाना, बुहाना और आसपास के क्षेत्र में भी आसमान में संदिग्ध वस्तु दिखने की सूचना मिली थी।

पाकिस्तान जिंदाबाद लिखने पर पुलिस ने किया युवक को गिरफ्तार

बरेली (एजेंसी)। बरेली जिले की देवरानियां थाना पुलिस ने फेसबुक पर पाकिस्तान के समर्थन में एक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक शख्स को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक देवरनिया थाना क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में रहने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है जिसने फेसबुक पर कथित रूप से 'पाकिस्तान जिंदाबाद लिख कर वीडियो पोस्ट की थी। वीडियो में पाकिस्तान का झंडा लहराते और लोग जश्न मनाते दिख रहे थे। जानकारी के मुताबिक बहेड़ी के सीओ ने बताया कि आरोपी साजिद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद साजिद थाने में 卐पाकिस्तान मुर्दाबाद卐 के नारे लगाने लगा। सीओ ने कहा कि मामले में कार्रवाई की जा रही है।

पाकिस्तानी लिंक मिलते ही मदरसे पर चला दिया बुलडोजर

अहमदाबाद (एजेंसी)। मौलाना के फोन में पाकिस्तानी कनेक्शन वाले कई वॉट्सऐप ग्रुप मिलने के बाद गुजरात में पुलिस ने मौलाना का द्वारा संचालित किए जा रहे मदरसे को बुलडोजर से मिट्टी में मिला दिया है। मौलाना मोहम्मद फजल अब्दुल अजीज शेख की ओर से चलाया जा रहा था। अमरेली के डीएसपी पीआर राठौर ने कहा कि एसडीएम की जांच में पाया गया कि मदरसे के पास दस्तावेज नहीं हैं। संचालक यह बताने में असफल रहे कि यह मदरसे की जमीन उनकी है और निर्माण कानूनी तरीके से किया गया है। मौके पर भारी सुरक्षाबल को तैनात किया गया था। हालांकि, पुलिस को किसी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। धारी पुलिस स्टेशन में मौलाना के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मौलाना मूल रूप से अहमदाबाद का रहने वाला है और अमरेली में मदरसा चला रहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुजरात पुलिस ने अमरेली से संदिग्ध मौलाना को हिरासत में लिया था।

राहुल के बिहार दौरे से पहले कांग्रेस के 17 नेताओं ने की बीजेपी ज्वाइन

अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों को अलग-थलग कर दिया

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे से कुछ ही दिन पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कटिहार जिले के 17 प्रमुख नेता कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में चले गए हैं। यह राजनीतिक बदलाव वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के सांसद तारिक अनवर के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ हुआ है। इससे पार्टी में दरार और गहरी हो गई है और बिहार में कांग्रेस की ताकत पर सवाल उठ रहे हैं।

इस नाटकीय बदलाव का नेतृत्व कांग्रेस से जुड़े श्रमिक संगठन आईएनटीयूसी के अध्यक्ष विकास सिंह ने किया। उन्होंने तारिक अनवर पर अपने कार्यों और बयानबाजी दोनों में उच्च जाति विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। आने वाले दिनों में सैकड़ों-हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सिंह के मुताबिक 17 प्रभावशाली उच्च जाति के कांग्रेस नेताओं का पाला बदलने का फैसला तारिक अनवर के कथित पक्षपात और रवैये के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से उपजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग कर दिया है। कटिहार में एक प्रभावशाली मतदाता समूह, जहां जातिगत गतिशीलता अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देती है। नेताओं का पलायन और जातिगत आक्रोश ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले से ही इंडिया ब्लॉक के भीतर आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है। यह घटनाक्रम तारिक अनवर के पारंपरिक समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं और उनकी छवि को धूमिल कर सकते हैं। अनवर के नेतृत्व में लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला कटिहार अब राजनीतिक रूप से कमजोर दिख रहा है। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाला उच्च जाति समुदाय अब कांग्रेस से दूर जा सकता है।

सुपौल में बांग्लादेशी झंडा लगी कार को घूमते देखा तो मचा हड़कंप

सुपौल। बिहार के सुपौल में तब हड़कंप मच गया, जब लोगों ने सड़क पर बांग्लादेशी झंडा लगी कार को घूमते देखा। कार बेरदह की ओर से आती हुई सिमराही के रेफरल अस्पताल रोड में घुसी। इसके बाद रामनगर रोड होकर एनएच-27 की ओर निकल गई। घटना के वक्त कई लोगों ने कार का वीडियो बना लिया, जो अब सामने आया है। कार का नंबर बीआर 50 के 7641 बताया जा रहा है, जिससे साफ है कि यह सुपौल जिले का ही नंबर है। इसके बावजूद कार पर विदेशी झंडा कैसे और क्यों लगा, इसपर इलाके में सस्पेंस बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि बांग्लादेशी झंडा देखकर वे हैरान रह गए। कई लोगों को शक है कि यह सिर्फ मजाक नहीं, बल्कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। सीमावर्ती इलाका होने के कारण लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। राघोपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। लेकिन वायरल हो रहे वीडियो को देखकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार मालिक कौन है और झंडा क्यों लगाया गया। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की हरकतों से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। वहीं, सुरक्षा एजेंसियों ने भी मामले को गंभीरता से लिया है। इधर, सुपौल पुलिस का कहना है कि मजदूर किसान वर्ग का धरना-प्रदर्शन से जुड़ा झंडा है, बांग्लादेश का झंडा नहीं है। झंडा पर गाड़ी चालक जल्दबाज़ी में लोगो लगाना भूल गया था।

भारत हर साल 100 ब्रह्मोस बनाएगा, सेना होगी और अधिक ताकतवर

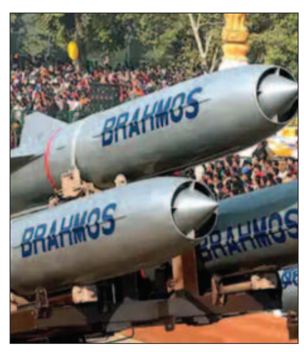

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक झटके में पाकिस्तान को औकात दिखाने वाली भारत की सेना अब और अधिक मजबूत होगी। यहां अत्याधुनिक हथियार और सिस्टम पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है साथ हर साल 100 ब्रह्मोस बनाने का भी निर्णय लिया गया है। भारत ने रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया, जो उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया। यह वही ब्रह्मोस है, जिसने हाल ही में पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बना कर दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता का अहसास कराया था। लखनऊ की इस अत्याधुनिक यूनिट में अब ब्रह्मोस मिसाइल के मौजूदा संस्करणों के साथ-साथ अगली पीढ़ी की हल्की ब्रह्मोस-एनजी मिसाइलें भी तैयार की जाएंगी।

ये मिसाइलें जमीन, समुद्र और हवा, तीनों मोर्चों से दुश्मन पर धावा बोलने में सक्षम हैं। यह यूनिट हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनाएगी और भविष्य में 100 से 150 एनजी वर्जन तक का उत्पादन करेगी। डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशीनोंस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस मिसाइल की गति मैक 2.8 (करीब 3,430 किमी प्रति घंटे) है और इसकी मारक क्षमता 400 किमी तक है।इस यूनिट को 300 करोड़ रुपये की लागत से 80 हेक्टेयर जमीन पर तैयार किया गया है, जो उत्तर प्रदेश सरकार ने मुफ्त दी थी। इसी परिसर में टाइटेनियम और सुपर एलॉय से जुड़ा स्ट्रैटेजिक मटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स भी बनेगा, जो डिफेंस ग्रेड सामग्री तैयार करेगा। इसके अलावा एक विशेष डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम की आधारशिला भी रखी गई है।पाकिस्तान द्वारा सिरसा की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागने के बाद भारत ने 10 बड़े एयरबेसों पर करारा जवाब दिया था। इनमें नूर खान, रफीकी, सर्गोधा, मुरिद, सक्कुर, स्कर्दू, सियालकोट, पासरूर, जैकबाबाद और भोलारी जैसे अहम बेस शामिल थे। इन ठिकानों पर ब्रह्मोस, हैमर और स्कैल्प मिसाइलों से हमला किया गया। नूर खान बेस पर हुआ हमला सबसे अहम माना गया क्योंकि यह पाकिस्तान की एयर लॉजिस्टिक्स और न्यूक्लियर योजना से जुड़ा केंद्र था।

दलित महिलाओं से मारपीट करने वाले दरोगा समेत 5 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

कार्रवाई की मांग को लेकर सपा विधायक ने पीड़ितों के साथ दिया था धरना

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ में दलित परिवार की महिलाओं के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करने के मामले में कार्रवाई हुई। मामले में थानेदार समेत पांच पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बीते दिनों थाना इंचौली के लावड़ के रहने वाले दलित परिवार ने पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। आरोप है कि दो भाइयों में मकान को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बीच पुलिस पहुंची और उनको थाने ले जाने लगी, जिसका महिलाओं ने विरोध किया। इसपर पुलिस ने उनकी जमकर पिटाई कर दी।

पुलिस पर आरोप यह भी है कि शिकायतकर्ताओं के खिलाफ ही मुकदमा लिख दिया गया। जब घटना का वीडियो वायरल हुआ तो इस मामले ने तूल पकड़ लिया। अब पुलिस अधिकारी ने थानेदार समेत 5 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। बता दें मेरठ पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सपा विधायक अतुल प्रधान अपने कार्यकर्ताओं और पीड़ितों के साथ एसएसपी ऑफिस में धरने पर बैठ गए थे। अतुल प्रधान ने कहा कि सरकार की शह पर पुलिस गरीबों पर जुल्म ढा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उल्टा पीड़ितों पर मुकदमा दर्ज कर दिया। प्रधान ने पुलिसवालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज की मांग की थी। मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी।

वहीं, इस मामले में सीओ सदर देहात ने बताया कि पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो वहां मौजूद महिलाओं और पुरुषों ने दारोगा के साथ मारपीट की जिसमें उनको चोटें भी आईं। वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो में पुलिस महिलाओं और पुरुषों को मारती-पीटती दिख रही है। घटना 7 मई की बताई जा रही है। मामले में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने एसएसपी ऑफिस पहुंचकर धरना प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी।

पाकिस्तानी हैकर्स ने किए 15 लाख अटैक, भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। पाकिस्तान चौतरफा भारत को घेरने की कोशिश करता है लेकिन खुद घिरकर ढेर हो जाता है। इस तरह से पिटने की उसे आदत हो गई है। पाकिस्तानी हैकर्स को भारत ने उस वक्त मुंहतोड़ जवाब दिया जब उसने भारतीय वेबसाइटों पर 15 लाख साइबर अटैक किए, लेकिन कामयाब नहीं हो पाया। महाराष्ट्र साइबर टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत भर में अहम बुनियादी ढांचे की वेबसाइटों को निशाना बनाकर 15 लाख से ज्यादा साइबर हमले करने के लिए जिम्मेदार सात एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट समूहों की पहचान की है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इनमें से केवल 150 हमले ही सफल रहे। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच समझौता होने के बाद भी, भारत सरकार की वेबसाइट्स को पड़ोसी देश के साथ-साथ बांग्लादेश और मध्य पूर्वी इलाके से साइबर हमलों का सामना करना पड़ रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, महाराष्ट्र साइबर के एक सीनियर अधिकारी ने हैकर्स द्वारा मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से डेटा चुराने, विमानन और नगरपालिका प्रणालियों को हैक करने और चुनाव आयोग की वेबसाइट को निशाना बनाने के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, जांच में पाया गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद भारत में (सरकारी वेबसाइटों पर) साइबर हमले कम हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं। ये हमले पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मोरक्को और मध्य पूर्वी देशों से हो रहे हैं। रिपोर्ट पुलिस महानिदेशक और राज्य खुफिया विभाग सहित सभी प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंपी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र साइबर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने कहा कि ये साइबर अटैक बांग्लादेश, पाकिस्तान, मध्य पूर्व और एक इंडोनेशियाई ग्रुप से शुरू हुए।

ओवैसी ने लिए शरीफ और मुनीर के मजे, क्या लीज पर लिए चीनी विमान उतार पाओंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार की सुबह पंजाब में आदमपुर वायु सेना केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने वायु सेना के जवानों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। ओवैसी ने कहा कि क्या पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने लिखा, क्या शरीफ और मुनीर लीज पर लिए अपने चीनी विमान को रहीम यार खान एयरबेस पर उतार पाएंगे?

दरअसल, 10 मई को पाकिस्तान के रहीम यार खान एयरबेस पर भारत ने बुरी तरह तबाह हो गया। भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन में ब्रह्मोस-ए सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने एयरबेस के मुख्य रनवे को पूरी तरह नष्ट किया है। रहीम यार खान एयरबेस को शेख जायद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी कहा जाता है, जो कि पाकिस्तान वायुसेना का अहम सैन्य अड्डा रहा है। हमले में कई सैन्य सुविधाओं, इमारतों और उपकरणों को नुकसान पहुंचा। साथ ही स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ सहित कुछ सैन्यकर्मियों की मौत भी हो गई।

इस बीच, पाकिस्तान यह झूठा दावा करता रहा कि आदमपुर एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसमें एयरबेस के रनवे, मिग-29 जेट, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया कि हमले में 60 भारतीय सैनिक मारे गए और एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि, ये दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने इन्हें खारिज करते हुए कहा कि आदमपुर एयरबेस पूरी तरह सुरक्षित है। वहीं, पीएम मोदी ने आज आदमपुर एयरबेस का दौरा कर जवानों से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरों और वीडियो ने पाकिस्तान के प्रचार की पोल खोल दी। सैटेलाइट तस्वीरों और विशेषज्ञों ने भी पुष्टि की कि एयरबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ।

पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामले में 9 दोषियों को मौत तक आजीवन कारावास की सजा

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामले में कोयंबटूर महिला अदालत ने 9 लोगों को मौत तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने मंगलवार सुबह ही सभी को दोषी ठहराया था। जज आर नंदिनी देवी ने इन्हें गैंगरेप और बार-बार रेप का दोषी पाया।

इतना ही नहीं कोर्ट ने पीड़ित महिलाओं को कुल 85 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 9 दोषियों ने 2016 से 2018 के दौरान कई महिलाओं का यौन शोषण किया था। पीड़ितों में कॉलेज की छात्राएं और शादीशुदा महिलाएं थीं। दोषियों ने यौन शोषण के वीडियो बनाए थे। इसके द्वारा ब्लैकमेल करके महिलाओं के साथ कई बार रेप किया और पैसे भी मांगे। आरोपियों पर 50 से ज्यादा महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का शक था, लेकिन उनमें से केवल 8 ने ही उनके खिलाफ गवाही दी थी। दोषियों में सबरीराजन उर्फ रिशवंत (32 साल), थिरुनावुकारसु (34 साल), टी वसंत कुमार (30 साल), एम सतीश (33 साल, आर मणि उर्फ मणिवन्नन, पी बाबू (33 साल), हारोन पॉल (32 साल), अरुलानंथम (39 साल) और अरुण कुमार (33 साल) हैं।

मामला 24 फरवरी, 2019 को पहली बार तब सामने आया जब 19 साल की छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। छात्रा ने आरोप लगाया कि 12 फरवरी को पोल्लाची के पास चलती कार में चार लोगों ने उसका रेप किया। उन्होंने इसका वीडियो बनाया, उसकी सोने की चेन लूट ली और सुनसान जगह पर छोड़ दिया। लड़की ने अपने परिवार को तब बताया जब आरोपियों ने वीडियो लीक करने की धमकी देकर उससे यौन संबंध बनाने की मांग की। छात्रा दोषियों के खिलाफ बोलने वाली पहली पीड़ित थी। छात्रा की शिकायत के बाद 2019 में सभी युवकों को गिरफ्तार किया गया था। तब से सभी सलेम सेंट्रल जेल में बंद है।

युवकों के फोन-लैपटॉप से कई महिलाओं के वीडियो मिले पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच की थी। इसमें पीड़ितों के कई वीडियो क्लिप मिले थे, जिनका युवकों ने अलग-अलग जगहों पर यौन उत्पीड़न किया था। इनमें से ज्यादातर घटनाएं पोल्लाची के पास चिन्नाप्पलायम में एक दोषी थिरुनावुक्कारारू के फार्महाउस पर हुए थे। शुरू में स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच की थी। बाद में क्राइम ब्रांच-सीआईडी को सौंप दिया गया।

भारत-पाक सीजफायर पर पाकिस्तान में जश्न, भारत में चिंता और सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद दोनों देशों की जनता की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं जिसमें जमीन-आसमान का फर्क नजर आ रहा है। जहां पाकिस्तान में लोग पटाखे छोड़कर जश्न मना रहे हैं, वहीं भारत के लोग चिंता और सवाल उठा रहे हैं। क्या भारत ने जल्दबाजी में युद्ध रोका है? क्या पाकिस्तान को एक और मौका देना चाहिए था? ऐसे सवाल सोशल मीडिया और जनचर्चा बने हुए हैं। इससे साफ है कि युद्ध, राष्ट्रवाद और लोकतंत्र को लेकर भारत और पाकिस्तान की सोच में गहरा अंतर है।

पाकिस्तान में हमेशा देखा गया है कि वहां की सरकार और सेना युद्ध की हार को भी जीत की तरह पेश करती है। 1971 की जंग में जब पाकिस्तान ने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया और इसके बाद बांग्लादेश वजूद में आया। तब भी वहां की किताबों और मीडिया में यह प्रचार किया था कि पाकिस्तान ने भारत को टक्कर दी और जंग में सम्मानपूर्वक लड़ाई लड़ी। यह प्रवृत्ति आज भी जारी है। पाकिस्तानी सेना अपनी साख बनाए रखने के लिए भारत-विरोधी भावनाओं को भड़काती है और लोगों को भ्रमित करती है।

आर्थिक तंगी, राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य दबाव के बीच पाकिस्तान के पास युद्ध जारी रखने की क्षमता नहीं थी। ऐसे में सीजफायर उनके लिए राहत का सौदा रहा। वहां की सरकार और सेना इसे भारत पर राजनीतिक दबाव डालकर हासिल की गई जीत के रूप में दिखा रही है। इससे जनता का ध्यान मूल समस्याओं से हटता है। भारतीय रणनीति का फोकस आतंकवादियों के ठिकानों पर सटीक और सीमित हमलों पर होता है, ताकि नागरिकों को नुकसान न पहुंचे और क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे। भारत की परमाणु नीति नो फस्ट यूज पर आधारित है, यानी हम तब तक हमला नहीं करेंगे जब तक कोई हमें उकसाए नहीं। यही कारण है कि भारत में सेना की सफलता के बावजूद लोग सरकार से जवाब मांगते हैं- 'सीजफायर क्यों किया?' 'क्या पाकिस्तान को सबक नहीं सिखाना चाहिए था?'

भारत और पाकिस्तान की सैन्य और आर्थिक स्थिति की तुलना ही नहीं की जा सकती।

भारत का रक्षा बजट पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा है। भारत के पास अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली और उपग्रह है। भारत की अर्थव्यवस्था 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जबकि पाकिस्तान अपने रोजमर्रा के खर्च के लिए भी आईएमएफ के बेलआउट पर निर्भर है। पाकिस्तान में लोकतंत्र नाम मात्र का है। वहां सेना ही असली सत्ता केंद्र है।

सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर जैसे अधिकारी खुलेआम सांप्रदायिक बयानबाज़ी करते हैं वहीं भारत में लोकतंत्र मज़बूत है। यहां सरकारें जनता की इच्छा से बनती और गिरती हैं। सवाल पूछना यहां अधिकार है और यही वजह है कि सीजफायर पर भी भारतीय नागरिक बहस कर रहे हैं। सीजफायर को लेकर पाकिस्तान भले ही जश्न मना रहा हो, लेकिन यह जश्न आभासी है भ्रमजाल में बंधा हुआ।

अंकित कुमार के आतिशी शतक से गोल्डन हाक्स सेमीफाइनल में

गाजियाबाद। बाडीकेयर कप नवम संदीप सूरी स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को खेले गये मैच में गोल्डन हाक्स ने मेरठ क्रिकेट एसोसिएशन को 113 रन से हरा कर सेमीफाइनल मे प्रवेश किया। टॉस जीत कर मेरठ क्रिकेट एसोसिएशन के कप्तान ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया, परंतु धनंजय सिंह 48 रन व अंकित कुमार 106 रन की आकर्षक पारी ने 282 रनो का अंबार 40 ओवर में लगा दिया। जिसे प्राप्त करने के लिए मेरठ के सत्यम संगू 72 रन व प्रियम गर्ग 40 रन के अतिरिक्त कोई बल्लेबाज लक्ष्य हासिल करने में आवश्यक योगदान नहीं दे सका। फलस्वरूप पूर्ण टीम मात्र 174 रनो पर 29 ओवर में सिमट गई। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार अशोक ओझा द्वारा अंकित कुमार को दिया गया। संचालन पूर्व रणजी खिलाड़ी विश्वजीत सिंह ने किया।

संभव जनसुनवाई में 17 शिकायतें दर्ज

गाजियाबाद। नगर निगम सभागार में मंगलवार को आयोजित संभव जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना गया। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने जनसुनवाई के दौरान लोगों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 17 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें सबसे अधिक अतिक्रमण से संबंधित 6 शिकायतें थीं। अतिक्रमण की समस्याओं को लेकर लोगों ने नगर निगम से त्वरित कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा, डूडा विभाग से जुड़ी एक शिकायत, स्वास्थ्य विभाग की एक शिकायत, उद्यान विभाग से संबंधित तीन शिकायतें, प्रकाश विभाग की एक शिकायत और अन्य श्रेणी की तीन शिकायतें शामिल रहीं। अपर नगर आयुक्त ने सभी शिकायतों को सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाएगा, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। लोगों ने जनसुनवाई की पहल की सराहना की और नगर निगम से अपेक्षा जताई कि समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से होगा।

फर्जी निकला सामूहिक दुष्कर्म का मामला, शिकायतकर्ता युवती गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। पुलिस ने मधुबन बापूधाम थाने में सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा जांच के बाद फर्जी पाया। पुलिस ने आरोप लगाने वाली युवती को फर्जी मुकदमा दर्ज कराने पर गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि युवती पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें गैंगस्टर एक्ट का मामला भी शामिल है। युवती सिहानी गेट थानाक्षेत्र के गैंग्स्टर संजय सूरी के गिरोह से जुड़ी हुई है।

एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह के मुताबिक आठ मई को मधुबन बापूधाम थाने में सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवासी युवती ने शिकायत देकर बताया कि पूर्व में विनीत गर्ग एवं उसके साथियों ने खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया था। अचेत होने पर युवती के साथ दुष्कर्म किया और फोटो एवं वीडियो बना लिए। वीडियो और फोटो लेने के लिए युवती को पांच मई को विनीत ने हापुड़ चुंगी स्थित पहलवान ढाबे के पास बुलाया था। मौके पर पहुंचने पर युवती को विनीत अपने साथ कार में दो साथियों के साथ सुनसान जगह ले गया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि युवती ने पहलवान ढाबे पर पांच मई को खाना खाया था। इसके बाद युवती अकेली बाहर निकली और अकेली ही गई थी। युवती के मोबाइल और आरोपित विनीत के मोबाइल की सीडीआर निकालने से पता चला कि दोनों की लोकेशन भी उस दिन अलग-अलग थीं। इसके आधार पर पुलिस ने युवती की बताई दुष्कर्म की कहानी फर्जी पाई। एसीपी का कहना है कि युवती ने रुपये वसूलने के लिए गलत आरोप लगाए थे।

एसीपी कविनगर का कहना है कि फरवरी में भी ऐसा ही एक अन्य मामला सामने आया था जिसमें एक युवती ने सामूहिक दुष्कर्म का फर्जी मुकदमा दर्ज कराया था। उस मामले में भी पुलिस ने जांच कर मामला फर्जी पाया और युवती को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

घर बनाना होगा महंगा

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : लगातार दूसरे साल प्रशासन सर्किल रेट बढ़ा सकता है। इसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बार दरों में पांच से दस फीसदी वृद्धि की तैयारी है। शासन से इसका आदेश आ चुका है। मेरठ में प्रशासन के अफसरों की मीटिंग हो चुकी है। इसके बाद स्टांप विभाग प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है। स्टांप के अधिकारी डीएम के साथ मीटिंग कर प्रस्ताव पर निर्णय लेंगे। प्लाट और फ्लैट के सर्किल रेट बढ़ाने की योजना है।

पिछले वर्ष सितंबर माह की शुरूआत में सर्किल रेट बढ़े थे। कृषि भूमि के सर्किल रेट दस फीसदी बढ़ाए गए थे और आवासीय और व्यावसायिक समेत अन्य सभी मकान, दुकान, प्लाट और फ्लैट के रेट में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि की गई थी। इससे पहले कोरोना की वजह से दो साल तक दरें नहीं बढ़ाई गई थीं।

पिछले साल सिटी और आदित्य वर्ल्ड सिटी में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि की गई थी। एआईजी स्टांप पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि हापुड़ और बुलंदशहर सहित कई जिलों में पिछले कई वर्ष से सर्किल रेट नहीं बढ़ाए गए थे, लेकिन गाजियाबाद में पिछले वर्ष सितंबर में रेट बढ़े थे। इसलिए तत्काल रेट नहीं बढ़ाए जाएंगे, लेकिन अगस्त में शहरी क्षेत्र में पांच से 10 फीसदी तक रेट बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जाएगा। जिलाधिकारी के निर्णय के बाद नया सर्किल रेट लागू होगा।

नए सर्किल रेट लागू हो जाने से न केवल संपत्ति महंगी हो जाएगी, बल्कि बैनामा कराने में ज्यादा खर्च भी आएगा। महिलाओं के लिए स्टांप ड्यूटी छह फीसदी और पुरुषों के लिए सात फीसदी है। इसका अर्थ यह है कि अगर पुरुष 20 लाख की संपत्ति खरीदता है तो स्टांप ड्यूटी में 1.40 लाख रुपये देने होंगे। महिला को 1.30 लाख रुपये देने होंगे। महिलाओं को 10 लाख तक की संपत्ति पर एक फीसदी की छूट है।

खुलेआम ताबड़तोड़ फायरिंग, मुकदमा दर्ज

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

साहिबाबाद। लोनी में सट्टे का कारोबार चलाने वाले वहीं के निवासी दानिश, कामरान और जैद ने 12 मई की रात टीलामोड़ के असालतपुर फरूखनगर निवासी असलम के घर पहुंचकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसके साथ घर में अपनी जान बचाने के लिए छिपे असलम के साले आबिद और उनके बेटे आमिर से मारपीट भी की। मामला 83 हजार रुपये के लेनदेन का सामने आया है। क्षेत्र में खुलेआम आरोपियों ने फायरिंग की लेकिन पुलिस को इसकी सूचना दो घंटे बाद मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची तब तक आरोपी मौके से भाग चुके थे। असलम की तहरीर पर पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया।

दर्ज मुकदमे में असलम ने बताया कि उनके साले आबिद का बेटा आमिर आरोपियों के पास ही नौकरी करता है। आरोपियों ने उसे प्रतिदिन 500 रुपये के भुगतान पर नौकरी दी थी। सट्टा कारोबार में आमिर उनका हिसाब-किताब रजिस्टर में दर्ज करने का काम करता था। बताया कि दानिश, कामरान और जैद ने आमिर पर कारोबार का 1.13 लाख रुपये का उधार निकाला और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। यहां तक कि जान से मारने की धमकी देकर आमिर की मां से 30 हजार रुपये जबरन वसूल भी कर लिए। इसके बाद बकाया 83 हजार रुपये के लिए जान से मारने की धमकी दी थी। बताया कि जान बचाने के लिए आबिद और आमिर उनके घर छिपने के लिए पहुंचे। आरोप है कि रात करीब 11:45 बजे दानिश, कामरान और जैद व एक अन्य व्यक्ति तमंचा लेकर उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए बाहर आने को कहा। जब वह बाहर पहुंचे तब मारपीट शुरू कर दी और आमिर को खींचकर ले जाने लगे। इसी दौरान दानिश ने तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। किसी तरह वह घर के अंदर छिपकर बच पाए। आरोपियों ने तीन राउंड फायरिंग की। जब क्षेत्र के लोग एकत्र होना शुरू हुए तब आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने जान का खतरा जताते हुए पुलिस को बुलाया और तहरीर दी।

गमला गिरा तो AOA और फ्लैट मालिक पर होगी FIR

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

नोएडा: शहर की बहुमंजिला इमारतों में बालकनी की दीवारों पर रखे गमले जानलेवा साबित हो रहे हैं, जिन्हें लोग अक्सर पर्यावरण प्रेम के नाम पर सजाते हैं पर सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। नोएडा अथॉरिटी ने हाल ही में एक सोसायटी में गमला गिरने से हुई एक बच्चे की मौत की घटना का संज्ञान लेते हुए कड़े कदम उठाए हैं। अथॉरिटी के सीईओ लोकेश एम. ने बालकनी की दीवारों (पैरापेट वॉल) से गमले तत्काल हटाने के निर्देश जारी किए हैं।

सीईओ ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में गमला गिरने से कोई दुर्घटना होती है, तो संबंधित अपार्टमेंट ओनर्स असोसिएशन (एओए) के अध्यक्ष, सचिव, बिल्डर अथवा फ्लैट स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। हाल ही में पुणे की एक सोसायटी में भी गमला गिरने से कंपाउंड में खेल रहे एक बच्चे की मौत हो गई थी, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। पिछले वर्ष ग्रेटर नोएडा की पाम वैली सोसायटी में भी 31 वर्षीय चित्रांशु रघुवंशी के सिर पर गमले के नीचे रखी ईंट गिरने से मृत्यु हो गई थी।

पानी के नमूने जांच में फेल

गाजियाबाद। स्वास्थ्य विभाग ने जनवरी से अब तक शहर की आठ प्रमुख सोसायटियों से कुल 78 पानी के नमूने लेकर जांच किया था। इनमें से महज 13 ही जांच में पास हुए। शेष 65 नमूनों में गंदगी, काई और बैक्टीरिया पाया गया था। सोसायटीज में कहीं पानी के ओवरहैड टैंक में गंदगी, काई और बैक्टीरिया मिले थे। तो कहीं मानकों के अनुरूप और अनदेखी पाई गई। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि ऐसे पानी का नियमित सेवन करने से लोगों के पेट और आंतों से जुड़ी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

गाजियाबाद शहर की पॉश कॉलोनियों में गिनी जाने वाली सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रांड सोसायटी में सप्लाई हो रहे पानी के सभी 16 नमूने स्वास्थ्य विभाग की जांच में फेल पाए गए। इसके पहले भी तीन नमूने फेल हो चुके हैं। बावजूद इसके अभी तक सोसायटी में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पानी के नमूने असंतोष जनक होने पर स्वास्थ्य विभाग ने प्रशासन और आवास विकास परिषद को पानी की रिपोर्ट भेज दी है। इसके पहले पांच में से तीन नमूने फेल होने पर स्वास्थ्य विभाग ने सोसायटी में अलग-अलग स्थानों से 16 नए नमूने लिए थे। जन स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि सोसायटी में पानी के ओवरहैड टैंक में गंदगी, काई और बैक्टीरिया मिला था। इसके पहले पांच में से तीन नमूने फेल होने पर स्वास्थ्य विभाग ने सोसायटी में अलग-अलग स्थानों से 16 नए नमूने लिए थे।

डीसीपी नगर से मिले उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधि

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। कोतवाली स्थित कार्यालय में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष प्रीतम लाल व मेरठ मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल स-विरिया सहित जिले के पदाधिकारियों ने गाज़ियाबाद शहर में पुलिस उपायुक्त (सिटी) धवल जायसवाल आईपीएस के साथ जनपद की कानून व यातायात व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की और सुझाव दिए। बैठक में सभी पदाधिकारी ने अपने परिचय से नगर पुलिस उपयुक्त को अवगत कराया। जिला अध्यक्ष प्रीतम लाल ने कहा स्वागत करते हुए हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में नगर में कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

गाज़ियाबाद शहर के प्रमुख नागरिक मुद्दों की ओर आपका ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया शहर के कई मुख्य चौराहों व मार्गों पर यातायात व्यवस्था बाधित रहती है, विशेषकर स्कूल खुलने व कार्यालय समय में। इससे आमजन को काफी परेशानी होती है। प्रमुख बाजारों जैसे कि चौपला मंडी, घंटाघर, और तुलसी निकेतन इत्यादि क्षेत्रों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनती है। चेकिंग के नाम पर कई बार आम व्यापारियों एवं नागरिकों को अनावश्यक रूप से रोका जाता है, जिससे असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है। कृपया इसे बेहतर समन्वय के साथ सुचारू बनाया जाए। उपस्थित जनों ने डीसीपी से कहा, हम आशा करते हैं कि आपके कुशल प्रशासन में उपरोक्त समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और गाज़ियाबाद को एक व्यवस्थित और नागरिक हितैषी शहर के रूप में उन्नति मिलेगी।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, गाज़ियाबाद की ओर से हम आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं और आपके सफल कार्यकाल की कामना करते हैं। इस अवसर पर अनिल सांवरिया मेरठ मंडल अध्यक्ष, प्रीतम लाल जिला अध्यक्ष, राजू छाबड़ा प्रदेश महामंत्री युवा, आशीष शर्मा जिला अध्यक्ष युवा, के० एन० डंगवाल वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, पवन त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष, भगत सिंह मनराल जिला संयुक्त महामंत्री, संजय शर्मा जिला मीडिया प्रभारी, अरुण श्रीवास्तव जिला मंत्री, दलबीर सिंह जिला महासचिव युवा, रोहित वर्मा जिला मंत्री युवा, श्याम किशोर शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष, रवि कालिया विधानसभा 56 महामंत्री, बबलू आदि उपस्थित रहे।

4.17 लाख रुपये का गबन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। नोएडा स्थित हिताची कैश मेनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लि. शाखा के दो कर्मचारी यश जैन और मन्नू पर कंपनी के 4.17 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगा है। यह आरोप कंपनी की शाखा पर तैनात प्रबंधक विधिक एवं सुरक्षा महक गुप्ता ने लगाते हुए दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि दोनों दो अप्रैल को एटीएम में कैश भरने गए थे। तभी उन्होंने 4.17 लाख रुपये अपने पास रख लिए और रजिस्टर में गलत जानकारी दर्ज की। पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दर्ज मुकदमे में महक गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी बैंकों के एटीएम में कैश भरने का काम करती है। कंपनी में पूर्वी दिल्ली के मौजपुर के मोहनपुरी स्थित युधिष्ठर गली निवासी यश जैन और लोनी के संगम विहार कॉलोनी निवासी मन्नू कैश ले जाकर भरने का काम करते हैं। बताया कि दो अप्रैल को दोनों 12 एटीएम में नकदी भरने के लिए 10 लाख रुपये लेकर कंपनी से निकले थे। काम पूरा करने के बाद दोनों ने रजिस्टर में पूरे 10 लाख रुपये जमा करने की जानकारी रजिस्टर में दर्ज कर दी और घर चले गए। बताया कि पांच अप्रैल को दोबारा उन्हीं एटीएम में रुपये डालने के लिए दूसरे कर्मचारी अभिषेक और राहुल को भेजा गया था। जब दोनों ने हिसाब किया तब 4.17 लाख रुपये का हिसाब गड़बड़ था। इसके अलावा एक बैंक के एटीएम में एक लाख रुपये डाले जाने थे, लेकिन उसमें कैश नहीं डाला गया और कोडिंग में 11 लाख रुपये कैश भरने की जानकारी दी रजिस्टर में दर्ज की गई थी। इसके बाद जब यश और मन्नू के बारे में जानकारी की गई तो पता चला कि दोनों दो अप्रैल के बाद से ड्यूटी पर ही नहीं पहुंचे। महक गुप्ता ने बताया कि एटीएम में नकदी भरने के दौरान कर्मचारी के मोबाइल पर ही ओटीपी आते हैं, इसके जरिये ही एटीएम का कैश बॉक्स खोला जा सकता है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, दोनों की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीएम ने सीएमओ को लगाई फटकार

मरीजों की भीड़ देखकर बोले- टोकन व्यवस्था लागू करें

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

जिलाधिकारी ने मंगलवार को जिला एमएमजी अस्पताल का किया निरीक्षण

गाजियाबाद। जिलाधिकारी (डीएम) दीपक मीना ने मंगलवार को जिला एमएमजी अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। कई खामियां मिलने पर सीएमओ के साथ सीएमएस को कड़ी फटकार लगाई है। क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश जल निगम सी एंड डिजाइन यूनिट को तलब किया है।

इस यूनिट की सातवीं फ्लोर की एक छत गलत डालने के बाद इसे तोड़कर फिर से बनाया जा रहा है। डीएम ने एनसीडी विंग परिसर में थोक के भाव भरे सामान को देखकर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही सीएमओ डॉक्टर अखिलेश मोहन को चेतावनी जारी की है।

साथ ही जिन लोगों की लापरवाही से सामान गोदाम में भरा हुआ है और यह स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों तक नहीं पहुंचा है। उन सभी का स्पष्टीकरण मांगा है हालांकि उन्होंने जिला एमएमजी अस्पताल की ओपीडी, इमरजेंसी और पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण नहीं किया, लेकिन दूर से मरीजों की भीड़ देखकर उन्होंने तत्काल प्रभाव से टोकन व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र और प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित उपचार देने को प्रयासरत है, लेकिन जिले के सरकारी अस्पतालों में गोल्डन आवर में इलाज को लेकर घोर लापरवाही बरती जा रही है। रविवार को मुरादनगर में सड़क हादसे में घायल होने पर हरवंशनगर के रहने वाले सुरेन्द्र सिंह के 29 वर्षीय बेटे सुमित को सीएचसी मुरादनगर में रात्रि के 10 बजकर 50 मिनट पर भर्ती कराया गया। तुरंत वहां तैनात चिकित्सकों ने घायल सुमित को बिना प्राथमिक उपचार दिए ही संयुक्त अस्पताल को रेफर कर दिया गया।

संयुक्त अस्पताल में तैनात चिकित्सक ने इसी रेफर स्लिप पर घायल को जिला एमएमजी अस्पताल के लिए रेफर लिखकर इलाज से पल्ला झाड़ लिया। देर रात को जिला एमएमजी अस्पताल में सुमित को भर्ती कर लिया गया, जहां इलाज चल रहा है। यह स्थिति तब है जबकि उच्च अधिकारी आए दिन स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी कर रहे हैं।

समीक्षा के बाद अधीनस्थों को दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। गंभीर रुप से बीमार एवं हादसों में घायलों को समय पर इलाज करने की जगह चिकित्सक रेफर करना सुरक्षित समझते हैं। उधर सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन का कहना है कि इस प्रकरण की जांच कराते हुए संबंधित दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसियों ने शहीद जवानों व नागरिकों को अर्पित की श्रद्धांजलि

भारत का बदलता शासन

कैराना। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं ने संगठन के जिलाध्यक्ष अखलाक प्रधान के नेतृत्व मे भारत-पाक संघर्ष में शहीद हुए देश के वीर जवानों तथा आतंकवादी हमलों में जान गंवाने वाले निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कस्बे के चौक बाजार में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर शहीद जवानों और नागरिकों की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। कांग्रेसियों ने शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण करके दिवंगत आत्माओं को नमन किया। कांग्रेसियों ने कायराना आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने सरकार से देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा घटना की पुनरावृत्ति पर रोक लगाए जाने की मांग की। इस अवसर पर शमशीर खान, जावेद अली, सुहैब खान, सुधीर कश्यप, आलिम, साबिर, फरमान, जुनैद, रामलाल, सन्नी आदि मौजूद रहे।

3.515 किग्रा गांजा व दो बाइक बरामद, तस्कर गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन

कैराना। कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान अलग-अलग स्थानों से दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 3.515 किग्रा अवैध गांजा व परिवहन में प्रयुक्त दो बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है।

अवैध हथियार व कारतूस बरामद, आरोपी दबोचा

भारत का बदलता शासन

कैराना। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी का पुलिस ने चालान कर दिया है।

यासीन उर्फ सिन्ना का एक और हत्यारोपी गिरफ्तार, नकदी बरामद

भारत का बदलता शासन

कैराना। पुलिस ने बीस दिन पूर्व गांव भूरा में हुए बुजुर्ग यासीन उर्फ सिन्ना हत्याकांड में वांछित चल रहे एक और हत्यारोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा है, जिसके कब्जे से बुजुर्ग से लूटी गई चार हजार रुपये की नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान कर दिया है।

इंटरमीडिएट में अभिनव शर्मा ने 98% व हाइस्कूल में कशिश ने 97% अंक प्राप्त कर बाजी मारी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सहारनपुर/ तल्हेडी बुजुर्गः सीबीएसई बोर्ड परीक्षा फल के परिणाम पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिले, उत्तीर्ण हुए छात्रों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा फल परिणाम घोषित हुआ जिसमें तल्हेडी बुजुर्ग कस्बे में स्थित शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त कर स्कूलों का नाम रोशन किया है। कस्बे के संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा कशिश ने हाईस्कूल में सर्वाधिक 97%, राष्ट्र देव इंटरनेशनल एकेडमी की छात्रा अपूर्वा ने 94% और कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सलोनी कश्यप ने 91% अंक हासिल कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

इसके अलावा इंटरमीडिएट परीक्षा फल में कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अभिनव शर्मा ने सर्वाधिक 98%, राष्ट्र देव इंटरनेशनल एकेडमी की छात्रा शताक्षी ने 96.5% और संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल के छात्र आरव त्यागी ने 92% अंक हासिल कर अपने स्कूलो का वर्चस्व स्थापित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बोर्ड परीक्षा में छात्र-छात्राओं द्वारा की गई कड़ी मेहनत और परिश्रम से अर्जित सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर समस्त शिक्षण संस्थानों के स्कूल प्रबंधकों व प्रधानाचार्यो ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

वैष्णव बैरागी समाज के राष्ट्रीय उपसचिव बने संदीप प्रधान

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। छपरौली क्षेत्र के गांव लूम्ब में सत्य प्रकाश हलवाई के आवास पर वैष्णव बैरागी चतुः सम्प्रदाय स्वामी समाज समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत हुई। इस दौरान समाज के अंदर व्याप्त विसंगतियों एवं रूढ़िवादिता को दूर करने पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों ने समाज के उत्थान के लिए शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सत्य प्रकाश हलवाई को सर्वसम्मति से संगठन का बागपत जिलाध्यक्ष चुना गया, जबकि संदीप प्रधान तीतरवाड़ा को राष्ट्रीय उपसचिव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे अनिल प्रधान व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोपाल सिंह स्वामी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र प्रदान किये। साथ ही, पुष्प मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र कुमार स्वामी ने समाज के कल्याण हेतु नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष भोपाल सिंह तथा कुशल संचालन रवि कुमार एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर केपी सिंह, रामेश्वर दयाल, ओमसिंह, रघुवीर प्रधान, कृष्णपाल प्रधान, भूपेंद्र वैष्णव, बलराम वैष्णव, कंवरपाल वैष्णव, कैमसिंह, रामजीलाल, धर्मवीर वैष्णव, शिवकुमार, नरेश, सोनू आदि मौजूद रहे।

किसानों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा - चौ. वीरेंद्र सिंह

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सहारनपुर : भारतीय किसान यूनियन रक्षक की सदस्यता विस्तार बैठक हलालपुर चिलकाना रोड पर आयोजित की गई, जिसमे दर्जनों किसानों ने किसान यूनियन की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह ओहलान ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन रक्षक एक ऐसा संगठन है जिसमें किसानों के अलावा मजदूर और व्यापारियों के हितों का भी ध्यान रखा जाता है।उन्होंने कहा कि किसानों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा किसानों के साथ भारतीय किसान यूनियन रक्षक कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहा है। किसानों की कोई भी समस्या हो भारतीय किसान यूनियन रक्षक उसे त्वरित हल करने का प्रयास करता है। किसान यूनियन रक्षक के महानगर अध्यक्ष सुनील राणा ने कहा कि संगठन के साथ जुड़कर किसान उत्पीड़न से बच सकते हैं।उन्होंने कहा कि जिन किसानों का उत्पीड़न हो रहा है वह किसान अपने आप को अकेला ना समझे भारतीय किसान यूनियन रक्षक उसके साथ खड़ा हैं। तहसील अध्यक्ष अमित औहलान ने कहा कि किसान यूनियनरक्षक के साथ जुड़े और किसानों के हाथ मजबूत करें,किसानों को एकजुट होकर ही अपना हक मिल सकता है, इसलिए किसानों की एकता जरूरी है, इसके लिए किसान यूनियन रक्षक से अच्छा कोई भी संगठन नहीं है। बैठक में पुनीत चौधरी,पप्पू भाई , पंकज, नीरज चौधरी,पदम सिंह, सूरज भान,रणदीप राणा,यश शर्मा, पंकज धीगड़ा, अर्जुन सैनी, रिहान, आजम,फैजान सराफराज,मीर हसन, मोहसीन, भूरा उपस्थित रहे।

द न्यू हाइट्स एकेडमी में शत-प्रतिशत रहा 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

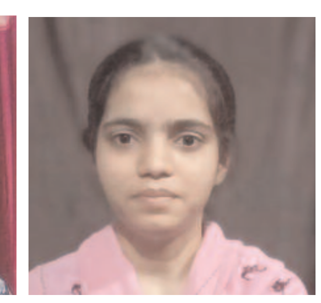

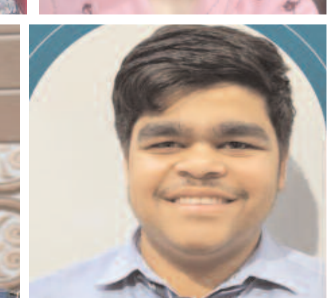

कैराना। मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने शैक्षिक सत्र-2024-25 की 10वीं तथा 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किये है, जिसमें कस्बे के झाड़खेड़ी रोड पर स्थित द न्यू हाइट्स एकेडमी में दोनों कक्षाओं में परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। 10वीं कक्षा में सौम्या प्रथम (96%), आफिया द्वितीय (90%) तथा सारा(89%) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मंतशा (85%) व अब्दुल मुईद (84%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, 12वीं कक्षा में अलीना(86.4%) प्रथम, सुहैल शमशी(78.4%) द्वितीय तथा इकरा(76.2%) ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय चेयरमैन इमरान सिद्दीकी ने कहा कि यह परीक्षा परिणाम शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और छात्रों की लगन का प्रमाण है। वह अपने विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व महसूस करते है। साथ ही, उन्हें जीवन में और अधिक ऊंचाइयां प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएँ ज्ञापित करते है। उधर, विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक कुमार उपाध्याय ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने फिर यह सिद्ध कर दिया कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। यह सफलता हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। एकेडमी लगातार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणामों के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा में प्रसिद्धि रही टॉपर

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

मंगलवार को सीबीएसई द्वारा घोषित किये गए परीक्षा परिणाम में भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा में छात्रा प्रसिद्धि ने 97 फीसदी अंक प्राप्त करके स्कूल टॉप किया। जबकि अर्पण सैनी(90.2%) द्वितीय, अब्दुल रहमान व राबिया(86.6%) संयुक्त रूप से तृतीय तथा कंगना चौहान (85%)अंकों के साथ चौथे स्थान पर रही। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक फैसल कुरैशी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं, प्रधानाचार्य नोशाद अली ने छात्रों को लगातार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

बिल क्लिंटन स्कूल के परीक्षा परिणाम में छात्र-छात्राओं ने किया बेहद उत्कर्ष प्रदर्शन

संस्थान की प्रेजिडेंट राजकमल सक्सेना ने बच्चों एवं विद्यालय स्टाफ को दी बधाई।
अक्षित पंवार एवं वंशिका पंवार के फिजिकल एजुकेशन विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा से किया विद्यालय का नाम गौरवान्वित।

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs
सुरेंद्र विश्वकर्मा

रामपुर मनिहारानः विनोद गुप्ता चेरिटेबल फाउंडेशन इकाई रामरति एजुकेशन कॉम्पलेक्स के शिक्षण संस्थान बिल क्लिंटन स्कूल में सीबीएसई द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम आने पर हर्ष की लहर दौड़ गई। रामरति एजुकेशन कॉम्पलेक्स की प्रेसिडेंट राजकमल सक्सेना ने बच्चों के परीक्षा परिणाम को देखकर छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के कक्षा 12वी के कुल 110 विद्यार्थी में से पीसीएम स्ट्रीम के 40 छात्र छात्राएं, पीसीएम स्ट्रीम के 32 तथा कॉमर्स स्ट्रीम के 38 परीक्षा में शामिल हुए। कॉमर्स स्ट्रीम में प्रथम स्थान पर रूपाली चौहान 95 प्रतिशत पीसीएम स्ट्रीम के द्वितीय स्थान पर नवतेज सिंह गौतम 91 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान पर पीसीएम स्ट्रीम की अंशिका पंवार 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। इसी के साथ साथ अक्षित पंवार एवं वंशिका पंवार के फिजिकल एजुकेशन विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। बिल क्लिंटन स्कूल की प्रधानाचार्या वीनू शर्मा ने छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था की प्रेजिडेंट राजकमल सक्सेना, प्रधानाचार्य वीनू शर्मा, उप प्रधानाचार्य तथा परीक्षा इंचार्ज भूपेश कुमार, सुधा पंवार, रूपाली गुप्ता, अंकित कुमार, पारुल कटारिया, पारुल पुंडीर, कमल कुमार एवं आदेश आदि उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है मानक विहीन सड़क का निर्माण

भारत का बदलता शासन

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले के विकास खण्ड हरगांव क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव से दूसरे गांव तक लोक निर्माण विभाग के द्वारा सड़क का निर्माण मानक विहीन कराया जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है और लोग शिकायत करते हुए मार्ग को मानक के रूप में तैयार कराए जाने की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले के विकास खण्ड हरगांव क्षेत्र अन्तर्गत हैदरपुर से खमौना तक लोक निर्माण विभाग के द्वारा मानक विहीन रोड़ का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसको लेकर आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हैदरपुर से खमौना तक मानक विहीन सड़क निर्माण कार्य होने के चलते आक्रोश इस बात के लिए व्याप्त हो रहा है की सरकार तो भृष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का दावा कर रही है और जमीनी स्तर पर हर निर्माण कार्य पर कमीशन का जोर चल रहा है जिसके चलते हर निर्माण कार्य मानक विहीन हो रहा है।

ग्रामीणों के द्वारा कहना है कि एक तरफ रोड बन रही है दूसरी तरफ दोपहिया वाहन से भी निकलने पर पीछे से गिट्टी निकल जा रही है। जब अभी से इस सड़क का यह हाल है तो यह कितने दिन चलेगी या तो ऊपर वाला ही जाने। केवल और केवल सरकारी पैसे की लूट-खसोट हो रही है। ग्रामीणों के स्तर से बार-बार सड़क निर्माण की शिकायत की जा रही है लेकिन जिम्मेदारों के कानों में जूं नहीं रेंग रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग मुख्यमंत्री के प्रयासों पर पानी फेर कर मानक विहीन निर्माण कार्य करा रहा है। देखना अब यह है कि मानक विहीन निर्माण कार्य कर सरकारी पैसों की लूट-खसोट करने वाले इसे लोगों पर कार्रवाई कर भृष्टाचार मुक्त प्रशासन देने वाले दावे पर कितना जिम्मेदार सार्थक होकर सरकारी मंशा पर कितना खरा उतरते हैं यह तो आने वाले समय पर निर्भर करता है।

आपरेशन सिन्दूर के सफल होने एवं सेना का वंदन अभिनंदन हेतु आजाद अधिकार सेना ने दिया ज्ञापन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। आजाद अधिकार सेना ने आज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर के निर्देशानुसार ऑपरेशन सिंदूर के क्रम में जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्र के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्र होकर भारतीय सेना के अदम्य शौर्य एवं साहस के लिए उनका सार्वजनिक वंदन और अभिनंदन करते हुए अतिरिक्त मैजिस्ट्रेट जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री, भारत सरकार को प्रत्यावेदन भेजा।

प्रत्यावेदन में कहा गया कि भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लगातार मीडिया ब्रीफिंग कर देश की जनता को तमाम बिंदुओं पर जानकारी दी, लेकिन अभी कई बिंदुओं पर स्थित अस्पष्ट है।इनमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिकों, सैन्य सेवाओं तथा नागरिक सेवाओं के लोगों के हताहत होने और इस सम्बन्ध में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा की गई सहायता के विवरण के साथ भारत के किसी नागरिक के पाकिस्तान में युद्ध बंदी बनने या नहीं बनने से सम्बन्धित तथ्य शामिल हैं।इसके अलावा भारतीय सेना के महत्व पूर्ण सैन्य उपकरण, विमान आदि के नष्ट होने तथा पाकिस्तान को जिन जिन बिंदुओं पर क्षति पहुंची है, उससे सम्बन्धित स्थिति तथा यह सैन्य कार्रवाई देश के लिए कितनी लाभप्रद रही है,इससे जुड़ी स्थिति को स्पष्ट किया जाना शामिल है।

सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित ग्रीन फील्ड अकैडमी के छात्रों ने मारी बाजी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। सीबीएसई बोर्ड के घोषित हुए परीक्षा परिणाम में ग्रीन फील्ड अकैडमी के छात्रों ने बाजी मारी।

जानकारी के अनुसार आज घोषित हुई है सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 10 एवं इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में ग्रीन फील्ड अकैडमी के छात्र-छात्राओं में सर्वाधिक अंक हासिल कर विद्यालय सहित अपने परिजनों को गौरान्वित किया। विद्यालय की इंटरमीडिएट की छात्रा शगुफ्ता हुसैन ने 97.6 प्रतिशत अंक लाकर जनपद में प्रथम स्थान हासिल किया।तो वहीं वैश्नवी मनार ने 96.8 प्रतिशत व जय राज सिंह ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर जनपद की टॉप 10 की सूची में अपना स्थान बनाया। विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं में लवदीप कौर ने 94 प्रतिशत, नैना बाजपेई ने 93.6प्रतिशत जसप्रीत कौर ने 93 प्रति शत जसमन सिंह छाबड़ा ने 92.6प्रतिशत प्रिया शुक्ला ने 92.2 प्रतिशत मयंक सिंह ने 92.4 प्रतिशत अनुभव अवस्थी अपने 91.4प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय की मेरिट लिस्ट में अपना मुकाम हासिल किया। इसके अलावा कई छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित करने की कोशिश की। बोर्ड परीक्षा में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुल एक सौ पन्चानबे छात्र शामिल हुए उनमें से केवल चार चार छात्रों का परीक्षा परिणाम आशा अनुरूप नहीं मिला जबकि प्रयागराज क्षेत्र का परीक्षा परिणाम 79.30 प्रतिशत रहा जिसकी तुलना में ग्रीन फील्ड अकैडमी ने लगभग सौ प्रतिशत परीक्षा परिणाम अर्जित किया।

हाई स्कूल की परीक्षा में सर्वाधिक अंक हासिल करने वालों में अदिति शुक्ला ने 95.6 प्रतिशत अमूल्य यादव ने95.6 प्रतिशत अनुराधा वर्मा ने 95% जय त्रिपाठी ने 94.4% अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा प्रिया त्रिपाठी ने 93% अथर्व अवस्थी ने 93% सत्यम सिंह ने 93% आर्यन वर्मा ने 91.2 प्रतिशत अनुष्का सिंह ने 91% अंक हासिल किये। संस्कार मिश्र अब्दुल समद अनिकेत वर्मा आयुष वर्मा ने 90% से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया एवं शत प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल हुए।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रशांत मिश्रा एवं शैक्षणिक निदेशक आलोक मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्य सहित समस्त शिक्षकों के अथक परिश्रम से प्राप्त हुए शानदार परीक्षा परिणाम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए छात्र-छात्राओं के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन्मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

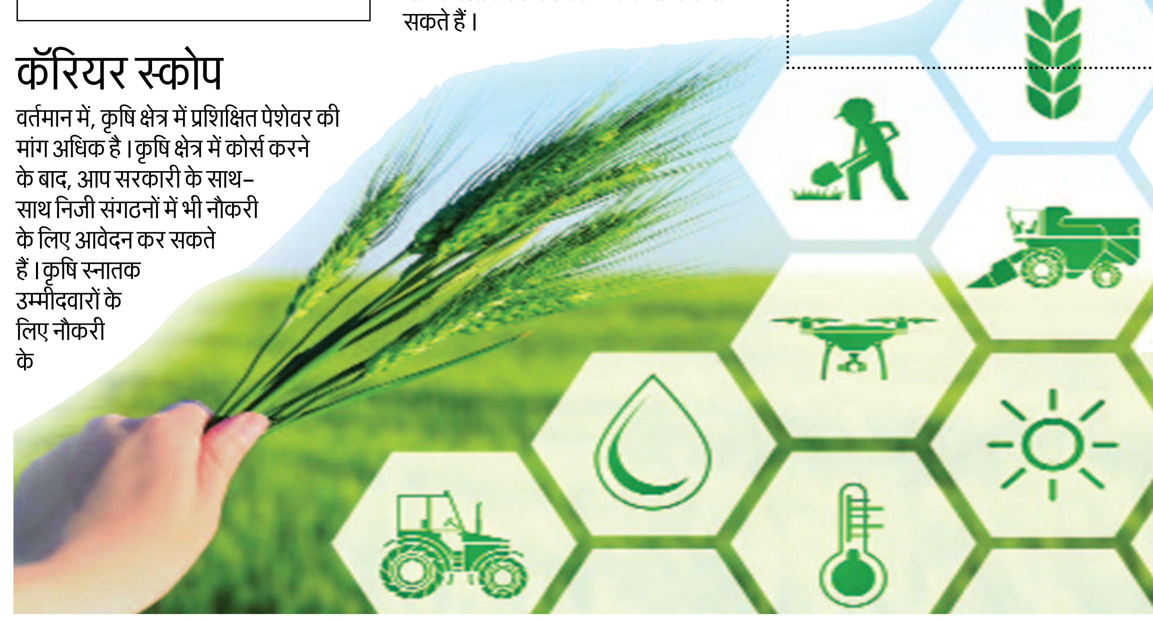

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता – स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण – स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाशत और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी – स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

संपादकीय

ललित चौधरी (संपादक)

पाकिस्तान को सबक सिखाना है जरूरी

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के दरम्यान चार दिनों से चले आ रहे संघर्ष के बाद दोनों देशों में सीजफायर की सहमति बनी। हालांकि पाक की तरफ से समझौते का उल्लंघन भी हुआ, परंतु सेना ने मुस्तैदी से उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। सेनाधिकारियों के अनुसार, जल, थल व वायु में सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बन गई है, मगर भारत की संप्रभुता को लेकर सेना सतर्क रहेगी। साथ ही पाक के उस दावे का खंडन भी किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा मस्जिदों को निशाना बनाने की बात की गई थी। बताया जा रहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पड़ोसी मुल्क के चालीस सैनिकों समेत सौ आतंकी मारे गए, जबकि पांच भारतीय सैनिक शहीद हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाक की हर कार्रवाई पर सख्ती से जवाब देने को कहा, वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शांतिपूर्ण वार्ता का मार्ग अपनाने की बात कर रहे हैं। भारत के इस कड़े कदम को आतंकवाद पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। इससे दुनिया के समक्ष संदेश गया, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ भीतर घुसकर कार्रवाई करेगा और देश की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता न करने के प्रति दृढ़ है। मोस्ट वांटेड व खूंखार आतंकियों को मार गिराने के पीछे भारत की मंशा स्पष्ट थी। आंतरिक कलह से जूझ रहे पाक के भीतर आतंकवादियों के प्रति नाराजगी रखने वालों का बड़ा हिस्सा इस सफाये से काफी हद तक संतुष्ट भी बताया जा रहा है। मोदी के नेतृत्व में यह संघर्षविराम अपनी शर्तों पर संभव हुआ है। इसीलिए कूटनीतिक निर्णय के आधार पर सिंधु जल समझौते का निलंबन बहरहाल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। अटारी-बाघा सीमाएं बंद रहेंगी और पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर रोक रहेगी। हालांकि सीमावर्ती इलाकों के वाशिंदे अभी भी हमलों के डर से सुरक्षित स्थानों में शरण लिये हैं। युद्ध समस्या का हल नहीं है। यह हमें रूस-यूक्रेन की तबाही से सबक लेना होगा। बेशक शांतिपूर्ण मार्ग चुनने को विवेकपूर्ण व कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। इसलिए सीजफायर का ऐलान होते ही सोमवार की सुबह बाजार खुलते ही शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। आतंकियों या दहशतगदरे को शरण देने का नतीजा पाक अच्छी तरह भुगत चुका है। उम्मीद की जा सकती है अपनी गलतियों को दोहराने और हेकड़ी दिखाने की बजाए वह समय रहते सबक ले तो यह दोनों देशों के हित में होगा तभी दुनिया में बेहतर संदेश स्थापित हो सकेगा।

चिंतन मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा-जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?

सुरेश हिंदुस्तानी

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है।

जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं।इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है।

दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। जिसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती हैं।

स्मार्ट डिवाइसेज : क्या कृत्रिम दुनिया में कैद हैं हम

प्रो. आर.के. जैन

स्मार्ट डिवाइसेज की चमक ने हमारे जीवन को नई रोशनी से नहला दिया है। गूगल होम्स, एलेक्सा और सिरी जैसे यंत्र घरों में नहीं, बल्कि हमारे दिलों में बस गए हैं।

एक आवाज के इशारे पर ये हमारे लिए गीत गाते हैं, खाना बनाने की विधियां सुझाते हैं और यहां तक कि हमारी दिनचर्या को संवारते हैं। मगर इस तकनीकी जादू की चकाचौंध में एक गहरा सवाल छिपा है, जो हमारे मन के कोनों को झकझोरता है-क्या ये यंत्र, जो हमारी जिंदगी को सरल बनाते हैं, हमारे मानसिक स्वास्थ्य को चुपके से प्रभावित कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारे युग की सबसे जरूरी और अनछुई बहस का आह्वान है।

आज स्मार्ट डिवाइसेज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। ये यंत्र तुरंत जानकारी देते हैं, घरेलू कार्य को स्वचालित करते हैं, और हमें मनोरंजन के अनिगनत रास्ते खोलते हैं। मगर क्या हमने कभी सोचा कि इनके निरंतर उपयोग का हमारे मन पर क्या असर पड़ रहा है? एक ओर, ये डिवाइसेज तनाव से राहत दे सकते हैं। जब हम अकेलेपन में डूबे होते हैं और किसी से बात करने का मन नहीं करता, तो हम अपने स्मार्ट स्पीकर से संवाद करते हैं। ये उपकरण हमें तुरंत जवाब देते हैं, जिससे हमें क्षणिक सुकून मिलता है। कुछ अध्ययनों का दावा है कि ऐसे यंत्रों से बातचीत एकाकीपन को कम कर सकती है, खासकर उन लोगों में जो सामाजिक रूप से कटे हुए हैं।

मगर क्या यह सुकून सच्चा है? इन डिवाइसेज के साथ संवाद करते समय हम एक कृत्रिम भावनात्मक रिश्ता जोड़ लेते हैं। हम उन्हें केवल मशीन नहीं, बल्कि एक सहायक या साथी मानने लगते हैं। यह रिश्ता हमें तात्कालिक राहत देता है, मगर लंबे समय में यह हमें वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर ले जाता है। हम दोस्तों या परिवार से बात करने के बजाय अपने स्मार्ट डिवाइस से सवाल पूछना ज्यादा आसान समझते हैं। यह प्रवृत्ति सामाजिक दूरी को बढ़ाती है और एकाकीपन को और गहरा करती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि मानवीय संपर्क-चाहे वह आमने-सामने हो या दूरभाष पर-हमारे मानसिक कल्याण की रीढ़ है। स्मार्ट डिवाइसेज, चाहे कितने भी बुद्धिमान हों, इस संपर्क की गहराई और भावनात्मक तृप्ति नहीं दे सकते। इसके साथ ही, स्मार्ट डिवाइसेज का अत्यधिक उपयोग हमारी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को कमजोर कर सकता है। जब हर सवाल का जवाब एक आवाज के आदेश पर उपलब्ध हो, तो हम खुद सोचने और समस्याएं हल करने की कला भूलने लगते हैं। यह खासकर बच्चों और युवाओं के लिए खतरनाक है, जिनका मस्तिष्क अभी विकसित हो रहा है। यदि वे हर जानकारी के लिए स्मार्ट डिवाइसेज पर निर्भर रहेंगे, तो उनकी संज्ञानात्मक क्षमताएं सिकुड़ सकती हैं। उदाहरण के लिए, पहले लोग नक्शे पढ़कर रास्ता ढूंढते थे, जिससे उनकी स्थानिक बुद्धि पुष्ट होती थी। आज हम जीपीएस और स्मार्ट डिवाइसेज के भरोसे हैं, जिससे यह क्षमता धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। स्मार्ट डिवाइसेज हमारी गोपनीयता को भी खतरे में डालते हैं, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालता है। ये यंत्र हमारी बातचीत को रिकॉर्ड करते हैं और हमारी रु चियों का विश्लेषण करते हैं। कई लोगों को यह डर सताता है कि उनकी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ सकती है। यह चिंता तनाव और अविश्वास को जन्म देती है, जो हमारे मन की शांति को भंग करती है। हालांकि कंपनियां डेटा सुरक्षा का दावा करती हैं, मगर डेटा उल्लंघन की घटनाएं इस विश्वास को कमजोर करती हैं। दूसरी ओर, स्मार्ट डिवाइसेज कुछ मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी हो सकते हैं। कई स्मार्ट स्पीकर्स में ध्यान और माइंडफुलनेस के लिए गाइडेड सत्र उपलब्ध हैं, जो तनाव प्रबंधन और नींद में सुधार में सहायक हैं। स्मार्ट डिवाइसेज का प्रभाव हमारी जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यदि हम इनका उपयोग जागरूकता और संयम के साथ करें, तो ये हमारे जीवन को समृद्ध बना सकते हैं मगर अगर हम इन पर आंख मूंदकर निर्भर हो जाएं, तो ये हमारी भावनात्मक और संज्ञानात्मक शक्तियों को कमजोर कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि तकनीक हमारी सेवक है, न कि हमारी स्वामिनी। अपने मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए, हमें वास्तविक दुनिया से जुड़े रहना होगा-चाहे वह प्रकृति

की गोद में समय बिताना हो, अपनों से दिल की बातें साझा करना हो, या स्वतंत्र रूप से चिंतन करना हो। स्मार्ट डिवाइसेज के साथ हमारा रिश्ता एक नाजुक डोर पर टिका है-यह हमें सशक्त बना सकता है, मगर लापरवाही बरती तो हमारे मन की शांति को छीन भी सकता है। हमें हर कदम पर खुद से पूछना होगा: क्या ये यंत्र हमारी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, या हमें एक कृत्रिम दुनिया में कैद कर रहे हैं? हमारी भावनाएं और विचार मशीनों के लिए नहीं, बल्कि इंसानों के लिए हैं। तकनीक ने हमें अनगिनत उपहार दिए हैं, मगर हमारा मन हमारी अपनी अमानत है। इस अमानत को संभालने की कला ही हमें सिखाएगी कि स्मार्ट डिवाइसेज हमारे जीवन को संवारें, न कि मन की शांति को बिखेरें।

पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई : झूठी धारणा में न फंसे

अवधेश कुमार

जो नेतृत्व पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में सटीक मिसाइलें दाग कर आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करता है, जिसकी पाकिस्तान क्या अमेरिका कल्पना नहीं कर सकता था वह विश्वासघाती और उन्मादी मजहबी सोच के आधार पर विदेश और सैन्य नीति चलाने वाले देश के साथ बातचीत फिर घाव देने का अवसर देगा ऐसी कल्पना नहीं की जानी चाहिए।

भारत-पाकिस्तान के बीच सैनिक संघर्ष रु कने पर हम देश की प्रतिक्रिया देखें तो बड़ा वर्ग, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मोदी सरकार और भाजपा के समर्थक कार्यकर्ता शामिल हैं नाखुश दिखाई देते हैं। इन्हें लगता है कि भारत के पास पाकिस्तान को धूल चटाकर, ऐसा पंगु बना देने का अवसर था जिससे वह लंबे समय तक भारत को घाव देने की सोचे भी नहीं। दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जिन्हें लगता है कि भारत इस समय लंबे युद्ध कर पाकिस्तान को पराजित करने की लड़ाई नहीं लड़ रहा था। इसलिए तत्काल लंबा खींचना उचित नहीं था होता। प्रश्न है कि सैन्य टकराव रु कने को किस तरह देखा जाए?

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए 25 एवं एक अन्य की हत्या के बाद अतीत का चरित्र त्याग कर पाक सीमा में स्थित नौ सभी महत्त्वपूर्ण आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त किया और तत्काल यही उद्देश्य था। इस तरह भारत ने सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध बदले हुए चरित्र वाले राष्ट्र का प्रमाण पेश किया। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्वीट आया कि लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीजफायर यानी युद्धविराम स्वीकार किया, टीवी चैनलों पर बैठे पूर्व सैनिकों और विशेषज्ञों को भी हैरत हुआ। उसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो का ट्वीट आ गया जिससे जानकारी मिली कि उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स लगातार दोनों देशों से बातचीत कर रहे थे। लेकिन भारत ने 5 बजे विदेश सचिव विक्रम मिश्री के माध्यम से इसकी घोषणा करवाई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसके लिए स्टॉपेज आफ फायरिंग एंड मिलट्री एक्शन यानी गोलाबारी तथा सैन्य कार्रवाई के रुकने पर सहमति की बात की। भारत ने सीजफायर या युद्धविराम शब्द प्रयोग नहीं किया। यह शब्द पहले अमेरिका की ओर से आया और पाकिस्तान ने उपयोग किया। पाकिस्तान के साथ हमारा युद्धविराम समझौता पहले से है जिसे वह तोड़ रहा था। चाहे आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करना हो या पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई से उत्तर; देश और विश्व को दी जाने वाली जानकारी में नये रूप में भारत सामने आया है।

11 मई को सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि अभी हम युद्ध की स्थिति में हैं और पूरी जानकारी देना उचित नहीं होगा। इसका अर्थ हुआ कि सेना अभी जहां जैसे थी वैसे रहेगी। पाकिस्तान ने आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करने को अपने पर हमला

मानकर कार्रवाई की थी और भारत को उसका उत्तर देना पड़ा। भारत दीर्घकालीन युद्ध की सोच से पाकिस्तान की सीमा में आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करने नहीं गया था। देश में वातावरण इस कारण बना क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने जैसा पराक्रम दिखाया है उसको तार्किक परिणति या निर्णायक अवस्था में ले जाने की सामूहिक अपेक्षा पैदा हो गई। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के पहले किसी ने नहीं कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लिए हमला करिए या पाकिस्तान पर हमला करिए।

जो विपक्षी दल आतंकवादी हमले पर सीमा पार करने से बचते रहे क्योंकि पाकिस्तान की प्रतिक्रियाओं से डरते थे वह भी सामूहिक रूप से सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सरकार से पाक अधिकृत कश्मीर लेने या पाकिस्तान से अंतिम सीमा तक युद्ध करने की मांग की थी? क्या सरकार ने ऐसी कोई बात कही थी? यह दुर्भाग्य है कि पाकिस्तान और आतंकवादी के विरुद्ध इतनी बड़ी विजय और सफलता को भुलाकर जो है नहीं उसकी झूठी नैरेटिव बना दी गई है। ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यदि लिखें कि हमारी मध्यस्थता में रातभर चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं तो भारत में चिंता स्वाभाविक होगी।

ट्रंप टकराव रोकने के लिए भारत या पाकिस्तान से बात करते हैं तो यह नहीं कहा जा सकता कि हम आपसे बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर यह स्टैंड रहेगा है। उनको हम कुछ पोस्ट करने से नहीं रोक सकते। ज्यादा मायने इस बात के हैं कि भारत का स्टैंड क्या है? भारत ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ सामान्य डीजीएमओ की नियमित होने वाली सामान्य वार्ता ही होगी। दूसरे, भारत ने किसी की मध्यस्थता स्वीकारने की बात की ही नहीं। ट्रंप या अमेरिका की कश्मीर पर मध्यस्थता करने की इच्छा हो सकती है कि लेकिन भारत की यह नीति नहीं है। तीसरे, जब भारत ने स्पष्ट कर दिया कि कोई भी आतंकवादी घटना एक्ट आफ वार यानी युद्ध का कदम माना जाएगा तो उसमें राजनीतिक नेतृत्व से बातचीत की गुंजाइश बचती नहीं है।

इसका अर्थ हुआ कि अगर आतंकवादी हमला हुआ तो अभी हम केवल आतंकवादी केंद्रों को निशाना बनाने के लिए मिसाइल के साथ घुसे उसके बाद हमला मानकर पाकिस्तान से सीधे टकराएंगे। इससे स्पष्ट मुखर और आक्रामक नीति तथा वक्तव्य कुछ हो ही नहीं सकता। इस बार सैन्य करवाई से संबंधित सभी निर्णयों में राजनीतिक नेतृत्व के साथ सेना के तीनों प्रमुखों और सीडीएस सम्मिलित रहे। संघर्ष रोकने की घोषणा के पहले भी प्रधानमंत्री ने उनके साथ बैठकें की और सैन्य बलों ने क्या किया क्यों किया कैसे किया क्या सोचती है और क्या करेगी इन सबके बारे में वक्तव्य भी सेना के द्वारा दिया गया। यही बदले भारत को दिखाता है और देश को इस पर विश्वास करना चाहिए।

जो नेतृत्व पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में सटीक मिसाइलें दाग कर आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करता है, जिसकी पाकिस्तान क्या अमेरिका कल्पना नहीं कर सकता था वह विश्वासघाती और उन्मादी मजहबी सोच के आधार पर विदेश और सैन्य नीति चलाने वाले देश के साथ बातचीत फिर घाव देने का अवसर देगा ऐसी कल्पना नहीं की जानी चाहिए। कार्रवाई कितनी बड़ी थी इसको ऐसे देखिए कि हथियारों में राफेल से लॉन्च की गई स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर स्मार्ट हथियार, गाइडेड बम किट, एक्सकैलिबर गोला-बारूद के साथ एम 777 हॉवित्जर और लोइटिरंग गोला-बारूद (उर्फ कामिकेज ड्रोन) आदि शामिल थे। तो विजय उत्सव के क्षण को झूठे नैरेटिव में न गंवाएं।

(लेख में विचार निजी है)

स्वामी/ मुद्रक/ प्रकाशक एवं संपादक ललित चौधरी ने वैकुंठ मीडिया प्रा0 लि0, 285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर, 02, अटौर, राजनगर एक्सटेंशन, पोस्ट-अटौर, गाजियाबाद (201003) उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
(RNI NO: UPHIN2023/88802) संपर्क सूत्र - 8527848454 / 6284195503 (नोट : समस्त वाद विवाद हेतु न्यायिक क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा।)

ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़े तो कंपनी देगी यूजर्स को हर्जाना

नई दिल्ली।

ऐपल के प्रोडक्ट अब भारत में खूब पसंद किए जा रहे हैं। कंपनी ने चीन से हटकर भारत को अपना ठिकाना बना लिया है और आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच की दीवानगी भारतीय में बढ़ती जा रही है। इस बीच ऐपल के ग्राहकों के लिए, कंपनी ने कुछ खामियों के चलते अपने हर डिवाइस पर 1,700 रुपए का हर्जाना देने की बात कही है। कंपनी पर यह मुसीबत क्योंकि आई और यूजर कैसे इस पैसे को क्ले म कर सकते हैं। यह मामला ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़ा है। अगर आपने भी ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्तेमाल किया है तो आप भी कंपनी से क्लेकम ले सकते हैं। कंपनी ने एक लंबे मुकदमे के बाद स्वी कार किया कि अगर ग्राहक की अनुमति के बिना सीरी ने किसी यूजर की प्राइवेट बातचीत रिकॉर्ड की है तो ट्रांसपरेंसी कानून के तहत ऐपल इसके एवज में हर्जाना भरेगी। कंपनी को इस तरह के मामलों में कुल करीब 9.5 करोड़ डॉलर का हर्जाना भरना है। कंपनी ने कहा कि ऐपल के करीब सभी प्रोडक्टक में सीरी वाइस असिस्टेंट का इस्तेमाल होता है, अगर किसी डिवाइस में गलती से यह ऑन हो गया है और यूजर्स की प्राइवेट बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है तो इसके ऐवज में कंपनी उस यूजर को हर्जाने का भुगतान करेगी। यह समस्याए शुरू हुई थी साल 2019 से, जब कुछ यूजर्स ने ऐपल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कंपनी ने इस बात से इनकार किया कि उसने ग्राहकों की आवाज का इस्तेमाल एड या अन्य मार्केटिंग के लिए किया है, लेकिन बाद में उनकी आवाज रिकॉर्ड किए जाने को लेकर माफी मांगी और इसे बंद करने का भरोसा दिलाया। जिन यूजर्स ने 17 सितंबर, 2014 से 31 दिसंबर, 2024 तक ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्तेमाल किया है वह इस हर्जाने के लिए क्लेतम कर सकते हैं। कंपनी ने इस सेटलमेंट के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां यूजर अपना क्ले म कर सकते हैं और कंपनी भुगतान के बाद इसकी जानकारी भी देगी। कंपनी का कहना है कि उसके डिवाइस आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच, होमपैड, मैक, ऐपल टीवी और आईफोन टच में से किसी में भी सीरी ने बिना ग्राहक की अनुमति के उनकी आवाज रिकॉर्ड

की है, तो यह क्लेसम किया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स 5 डिवाइस तक क्लेतम कर सकते हैं और उन्हें हरेक डिवाइस के लिए 20 डॉलर यानी करीब 1700 रुपए मिलेंगे। क्ले म से पहले यह तय करना होगा कि आपके डिवाइस में सीरी गलती से ऑन हो गया था। इसके अलावा क्लेकम करने वालों का अमेरिकी नागरिक होना भी जरुरी है। इस क्लेलम के लिए आखिरी तारीख 2 जुलाई, 2025 तय की गई है। इसके बाद कंपनी इस पोर्टल को बंद कर देगी और क्लेखम पर विचार नहीं किया जाएगा।

22 मई को लांच होगी नई हॉनर 400 सीरीज

नई दिल्ली।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हॉनर ने अपनी नई हॉनर 400 सीरीज की लॉन्च डेट घोषित कर दी है।

कंपनी अब आगामी 22 मई ये नई सीरीज लांच करेगी । यह सीरीज मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में पेश की जाएगी। खासकर हॉनर 400 प्रो मॉडल अपनी कैमरा तकनीक के कारण चर्चा में है। कंपनी ने हाल ही में टीजर वीडियो जारी किया, जिसमें यह जानकारी मिली कि हॉनर 400 प्रो में 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी एआई कैमरा होगा। यह कैमरा पिछले हॉनर 300 सीरीज के 50 एमपी कैमरे से बड़ा अपग्रेड होगा, जो अब ज्यादा डिटेल और बेहतर फोटो क्वॉलिटी देगा। हॉनर 400 प्रो के कैमरा सेटअप में 200एमपी का मेन कैमरा, 50एमपी का टेलीफोटो लेंस और 12एमपी का अल्ट्रावाइड लेंस शामिल होगा। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 50एमपी का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है, जो खासतौर पर कंटेंट क्रिएटर्स और व्लॉगर्स के लिए फायदेमंद होगा। इसमें 5300 एमएएच की बैटरी 100वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

हॉनर 400 सीरीज में हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो दो मॉडल हो सकते हैं, जो फ्लैगशिप फीचर्स के साथ मिड-रेंज प्राइस में आएंगे। इस स्मार्टफोन में 6.7 इंच का 1.5के अमोलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 120 एचर्ड्ज रिफ्रेश रेट और 5000नीटस की पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8जेन 3 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे फोन का ऑपरेशन फास्ट और स्मूद रहेगा। फोन में 8जीबी रैम और 256जीबी/512जीबी स्टोरेज ऑप्शन हो सकते हैं।

ब्लूस्मार्ट के ईवी वाहनों को खरीदने की तैयारी में एवरेस्ट फ्लीट

कंपनी की ऋणदाताओं से चल रही बातचीत

नई दिल्ली।

भारत में कैब सेवा प्रदाता उबर के सबसे बड़े फ्लीट भागीदारों में से एक, एवरेस्ट फ्लीट ब्लूस्मार्ट की कारों को खरीदने के लिए अवसर के चर्चाओं में है। उबर ने इस तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदने की प्रक्रिया की शुरुआत की है, लेकिन अंतिम संख्या और कीमत का तय करना बाकी है। एवरेस्ट फ्लीट के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि वे कुछ ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन सौदा अभी पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों की मानें तो एवरेस्ट फ्लीट के बेड़े में इस समय 20,500 कारें हैं और उनमें से 2,000 ईवी वाहन हैं। ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने से यह सुनिश्चित होगा कि उबर ग्रीन सेवाएं बढ़ेगी। इसके अलावा, इवेरा कैब्स के दिल्ली में 500 ईवी वाहनों के शामिल होने की भी खबरें हैं। उबर द्वारा एवरेस्ट फ्लीट में निवेश करने की भी खबरें आ रही हैं। उबर ने सीरीज सी राउंड में 3 करोड़ डॉलर का निवेश किया और मई 2023 की शुरुआत में सीरीज बी राउंड में भी एक निवेश किया था। इसी बीच, उबर ग्रीन इनिशियटिव के तहत सतत तकनीकी और पर्यावरणीय खोज कर रहा है ताकि साफ़ और उचित वाहन सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। एवरेस्ट फ्लीट के संस्थापक ने कहा कि हमने अभी तक करार नहीं किया है, लेकिन हम उबर के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं। यह समझा जा रहा है कि इस उचित फैसले के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के प्रति सहयोगी रहेंगी।

टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट 2025 जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स अपनी धांसू हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्टेड वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। कंपनी ने इसकी लॉन्च डेट 22 मई, 2025 तय की है।

टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को टेस्टिंग के अंतिम दौर में देखा गया है। लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को नए एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और एलईडी टेललाइट्स के साथ देखा गया है, जो कार के लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। इसके अलावा, टाटा ने पहली बार अल्ट्रोज में कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स भी दिए हैं, जो इसे और भी मॉडर्न लुक देते हैं।

इसके अलावा, फ्लश डोर हैंडल्स को भी शामिल किया गया है, जो कार की डिजाइन को और स्मूद बनाते हैं। टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट के केबिन में भी कई बदलाव किए गए हैं। अब इसमें एक नया डैशबोर्ड मिलेगा, जबकि 10.2 इंच की फ्री-स्टैंडिंग इंफोटेनमेंट स्क्रीन को और बेहतर तरीके से रखा गया है।

पावरट्रेन की बात करें तो टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट में 1.2एल 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और 1.5 एल टर्बो डीजल इंजन का ऑप्शन मिलेगा। यह डीजल इंजन अल्ट्रोज को भारत की एकमात्र डीजल हैचबैक बना देगा। ट्रांसमिशन के ऑप्शन में 5-स्पीड और 6-स्पीड मैन्युअल, साथ ही 6डीसीए ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिए जा सकते हैं। नई टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट के ये बदलाव इसे और भी आकर्षक और पावरफुल बनाने वाले हैं।इसके अलावा, एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और क्लाइमेट कंट्रोल पैनल को भी नया रूप दिया गया है। ऑटोमैटिक गियरबॉक्स वेरिएंट के लिए नया गियर सिलेक्टर भी उपलब्ध होगा।

बढ़ती लागत से मुश्किल में फंसे रियल एस्टेट डेवलपर

बाजार में मंदी के कारण डेवलपर ज्यादा कमाई नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली।

निर्माण की बढ़ती लागत से रियल एस्टेट डेवलपरों के लाभ पर दबाव पड़ने वाला है। घरों की कीमतें पहले से ही अधिक हैं और आवास की नरम मांग के कारण बढ़ती लागत को खरीदारों पर डालना मुश्किल हो गया है। एक अधिकारी के अनुसार किसी औसत रियल एस्टेट परियोजना की लागत संरचना में निर्माण की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत जबकि भूमि लागत की 20 से 30 प्रतिशत और एबिटा मार्जिन की करीब 30 प्रतिशत रहती है। उनका मानना है कि बिक्री में मंदी और बढ़ती लागत की वजह से रियल एस्टेट कंपनियों के मूल्यांकन में कमी आई है। उन्होंने कहा बिक्री की कीमतें बढ़ रही हैं। सूचीबद्ध कंपनियों की प्रति वर्ग फुट औसत प्राप्ति बढ़ी है। लेकिन बाजार में मंदी के कारण डेवलपर ज्यादा कमाई नहीं कर पाएंगे। निर्माण लागत बढ़ रही है और इसका बैलेंस शीट पर असर पड़ेगा। भारत में निर्माण क्षेत्र को बढ़ती लागत, कुशल कर्मचारियों की सीमित उपलब्धता और बाजार की अनिश्चितताओं के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लागत में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से सीमेंट और स्टील की कीमतों के साथ-साथ कुशल श्रम की लागत बढ़ने के कारण हुई है।हमने ज्यादातर सामग्रियों में 5 से 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी है और श्रम सबसे महंगा घटक बनकर उभरा है। पिछले कुछ साल के दौरान निर्माण लागत की सामान्य संरचना काफी हद तक स्थिर रही है, जिसमें करीब 67 प्रतिशत भाग में निर्माण सामग्री (सीमेंट, धातु,

रेत, ईंट, लकड़ी वगैरह), 28 प्रतिशत भाग में श्रम और 5 प्रतिशत भाग में ईंधन लागत शामिल है। एनारॉक समूह के एक अधिकारी ने कहा कि निर्माण की बढ़ती लागत और बिक्री में सुस्ती की दोहरी चुनौतियां डेवलपरों के मुनाफे को प्रभावित कर रही हैं।

हैप्पिएस्ट माइंड्स का मुनाफा 53 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ हुआ

पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 71.9 करोड़ रुपये रहा था

नई दिल्ली। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज एक भारतीय आईटी कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में कम लाभ का सामना किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 52.7 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 71.9 करोड़ रुपये रहा था। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व 30.5 प्रतिशत बढ़कर 544.5 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 417.2 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का मुनाफा 25.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 184.6 करोड़ रुपये रहा है, जबकि राजस्व 26.8 प्रतिशत बढ़कर 2,060.8 करोड़ रुपये हो गया है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मार्च में अपने संगठनात्मक ढांचे में कई बदलावों की घोषणा की थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए डिविडेंड की सिफारिश की है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज डिजिटल परिवर्तन, उत्पाद इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करती है। इसके 13 देशों में 6,632 कर्मचारी हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 85.30 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर बंद हुआ था। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 20 फीसदी की गिरावट के साथ 101.58 पर रहा।

कोलकाता में पेट्रोल 40 पैसे और डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ

कोलकाता। तेल विपणन कंपनियों के ईंधन की मूल कीमत में पुनर्समायोजन के बाद कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई। इस संशोधन से 12 मई से शहर में पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.02 रुपये प्रति लीटर हो गई है। प्रमुख तेल विपणन कंपनी के अधिकारी ने कहा कि पेट्रोल की कीमत में 40 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। हालांकि, इसके विपरीत पटना में डीजल की कीमत में 60 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई जबकि अन्य पूर्वी राज्यों में ईंधन की कीमतें यथावत रहीं। मूल कीमत की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और विभिन्न परिचालन व तार्किक कारकों के आधार पर समायोजित की जाती है।

वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है: विश्व व्यापार प्रमुख

तोक्यो। विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला ने मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से मुलाकात की। इवेला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक ने इशिबा से कहा कि खुले बाजारों में अग्रणी होने के नाते उन्हें जापान से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने तेजी से बदलते शुल्क एवं अन्य नीतियों के साथ विश्व वाणिज्य को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार वर्तमान में बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा है और यह काफी कठिन है। जापान के विदेश मंत्रालय ने उनके हवाले से कहा कि हमें इस संकट का इस्तेमाल हमारे सामने मौजूद चुनौतियों को हल करने के अवसर के रूप में करना चाहिए और व्यापार में नए रुझानों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के अग्रणी के तौर पर जापान को विश्व व्यापार संगठन को बनाए रखने, मजबूत करने तथा बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए गए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को घोषणा की थी। जापान उन देशों में से है जो अभी तक अमेरिकी प्रशासन के साथ मोटर वाहन, इस्पात तथा एल्युमीनियम सहित शुल्क में बढ़ोतरी पर कोई समझौता नहीं कर पाए हैं। जापानी अधिकारियों ने बताया कि ओकोंजो-इवेला बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने और सुदृढ़ करने के लिए जापान तथा विश्व व्यापार संगठन के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की यात्रा पर हैं। ओकोंजो-इवेला का विदेश मंत्री ताकेशी इवाया, वित्त मंत्री कात्सुनोबु काटो और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री योजी मुटो से भी मिलने का कार्यक्रम है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

सेंसेक्स 1281, निफ्टी 346 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी के अलावा दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1281.68 अंकों 1.55 फीसदी की गिरावट के साथ ही 81,148.22 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 346.35 अंकों 1.39 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 24,578.35 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए वहीं 25 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी प्रकार निफ्टी के 50 में से में केवल 14 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बाकी की 35 कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त गिरावट रही। एक कंपनी का शेयर बिना किसी गिरावट के बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल सनफार्मा और इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा 0.99 फीसदी की बढ़त जबकि इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.57 फीसदी की गिरावट रही।

बजार में आई इस गिरावट का कारण मुनाफासूली को बताया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के बाद सोमवार को भारतीय बाजार में भारी तेजी दर्ज की गई। वहीं इसी कारण मंगलवार को निवेशक मुनाफावसूली करते दिखे, जिसकी वजह से बाजार नीचे आ गया। अमेरिका और चीन द्वारा शुल्क कम करने और आर्थिक रूप से सहयोग करने से वैश्विक बाजार

बेहतर हुआ है पर इसका भारतीय बाजारों में एकदम से प्रभाव नहीं पड़ेगा।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुले। सेंसेक्स 180 अंक गिरकर 82,249.60 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद 471.58 अंक की गिरावट लेकर 81,958.32 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,864.05 अंक पर खुला। सोमवार को यह 24,924.7 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। सुबह शुरुआत के बाद यह 121.75 अंक की गिरावट लेकर 24,802.95 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच मेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद वॉल स्ट्रीट में तेजी आने के बाद मंगलवार को एशियाई बाजारों में तेजी आई।

जापान के निक्केई में 2.17 फीसदी की उछाल आई और टॉपिक्स में 1.77 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.71 फीसदी बढ़ा।

रियल एस्टेट केंद्रित एसजीआरई फंड ने एनसीआर में 125 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली। रियल एस्टेट केंद्रित वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) एसजीआरई फंड ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दो संकटग्रस्त आवासीय परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एसजीआरई फंड के प्रमुख प्रवर्तक ने बताया कि फंड ने पहले ही दो परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये लगाए हैं और वो जल्द ही अन्य परियोजनाओं में भी निवेश करेंगे। एसजीआईआर फंड एक योजना-आधारित फंड है, जिसने अपने खंड का विस्तार करने के लिए दूसरी योजना के लिए भी आवेदन किया है, जिसका कुल आकार 500 करोड़ रुपये तक है। उन्होंने बताया कि कोई भी रियल एस्टेट कंपनी हमारे एआईएफ से फंड के लिए आवेदन कर सकती है। हमारा विधि व तकनीकी दल व्यवहार्यता की जांच करता है और जांच की मानक प्रक्रिया के बाद, वे अंतिम मंजूरी के लिए स्थायी समिति को प्रस्ताव की सिफारिश करते हैं। ऐसी परियोजनाएं वित्त पोषण के लिए पात्र होंगी जिन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य है, जो भूमि स्वामित्व को लेकर स्पष्ट हैं और जिन्हें कोई कानूनी मुद्दा नहीं है।

चीन अमेरिका के व्यापार युद्ध से निपटने लैटिन अमेरिकी देशों से हाथ मिलाएगा

चीन ने बीजिंग में एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया

ताइपे।

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न व्यापार युद्ध से निपटने के लिए चीन अन्य देशों के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया। चीन के नेताओं ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी और अन्य नीतियों से उत्पन्न अनिश्चितता एवं अस्थिरता की पृष्ठभूमि में खुद को एक विश्वसनीय व्यापार तथा वृद्धि भागीदार के रूप में पेश किया है। वहीं अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को जानकारी दी थी।

अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए कदम उठाने के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यहां चीन-सीईएलएसी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन विशुद्ध राजनीतिक तथा गुटीय टकराव की बढ़ती हुई स्थिति तथा एकतरफावाद एवं संरक्षणवाद की बढ़ती लहर से निपटने के लिए लैटिन देशों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है। इस फोरम की शुरुआत 2015 में की गई थी। उन्होंने कहा कि शुल्क युद्धों या व्यापार युद्धों से किसी की जीत नहीं होती। चीन ने अमेरिकी शुल्कों को लेकर भी कई बार इसी तरह की बात कही है। फोरम में हिस्सा लेने वाले लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई अधिकारियों में ब्राजील, चिली और कोलंबिया के राष्ट्रपति शामिल हैं। शी ने चीन और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए राजनीतिक आदान-प्रदान, आर्थिक वृद्धि, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैश्विक सुरक्षा पर केंद्रित पांच कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने इस क्षेत्र से आयात को बढ़ावा देने और चीनी कंपनियों को वहां अपना निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का वादा किया।

भारत ने अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा

अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब डॉलर का असर पड़ेगा

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत सोमवार को अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा। डब्ल्यूटीओ ने बयान में कहा कि इस से अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब अमरीकी डॉलर का असर पड़ेगा। भारत द्वारा रियायतों के प्रस्तावित निलंबन के परिणामस्वरूप अमेरिका में उत्पादित उत्पादों से समान शुल्क वसूला जाएगा। अमेरिका ने पिछले साल मार्च में शुल्क लागू किया था, जिसे यह साल बढ़ा दिया गया था। मंगलवार, मेटल कंपनियों के शेयर फोकस में हैं। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और टाटा स्टील के शेयरों में आज उतार-चढ़ाव देखा गया। वेदांता और टाटा स्टील में मामूली तेजी देखी गई, जबकि सेल के शेयरों में गिरावट देखी गई। अमेरिका ने आठ मार्च, 2018 को कुछ स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर क्रमशः 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क लगाकर सुरक्षा उपाय लागू किए थे। यह 23 मार्च, 2018 को लागू हुआ था, जिसे जनवरी 2020 में बढ़ा दिया गया था। इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों में फिर से संशोधन किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुआ और इसकी अवधि असीमित है। अमेरिका ने अब 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला 982 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। तेलंगाना पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन ने पावर मेक प्रोजेक्ट्स को 971.98 करोड़ रुपये के ठेके हेतु चुना है। इस ठेके के अनुसार दामरचेरला, नलगोंडा जिले में यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के साथ एक एकीकृत टाउनशिप निर्मित की जाएगी। ठेके के अंतर्गत, क्वार्टर, बहुमंजिला आवासीय क्वार्टर और डिजाइन और ढांचा द्वारा संबंधित कार्य भी शामिल होंगे। पावर मेक प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष ने घोषणा की कि इस निर्माण कार्य को 30 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा। यह सरकारी ठेका नहीं सिर्फ तेलंगाना क्षेत्र में जनरेशन क्षेत्र को मजबूत बनाएगा, बल्कि स्थानीय आवासियों को भी बेहतर आवास सुविधाएँ प्रदान करेगा। यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के इस परियोजना में शामिल होने से, पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने अपने प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया है कि स्थानीय समुदायों को भी इसका लाभ होगा।

BharatkaBadaltaShasan@Gmail.com
भारत का बदलता शासन
follow us -@Bharatkbs

गुलमोहर एंक्लेव के हाई स्कूल के होनहार बनना चाहते हैं डॉक्टर, स्पेस साइंटिस्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड का हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षाफल घोषित हो गया। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी निवासी चार बच्चों ने हाई स्कूल में बढ़िया नंबर हासिल कर पूरी सोसायटी और अपने माता पिता का नाम रोशन किया है। सोसायटी निवासी डॉ तपन नायक के पुत्र तमोनाश नायक ने हाई स्कूल में 97 प्रतिशत नम्बर हासिल किए हैं। तमोनाश के पिता एक कॉलेज में डीन हैं। तमोनाश नेहरू वर्ल्ड स्कूल में पढ़ते हैं और स्पेस साइंटिस्ट बनना चाहते हैं। सोसायटी के ही रहने वाले राजेश गर्ग की पुत्री सिया गर्ग ने 94.8 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। सिया सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में पढ़ती है और उनके पिता राजेश चार्टर्ड अकॉउंटेंट हैं। सिया डॉक्टर बनना चाहती है। वहीं विभु सिंह के दोनों जुड़वा बच्चों निमिषा सिंह और निशान्त सिंह ने भी क्रमशः 97.8 प्रतिशत और 94.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।दोनों बच्चे रियान इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ते हैं ,विभु सिंह सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और उनके दोनों बच्चे भी अपने पिता की तरह सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहते हैं। सोसायटी की आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्षा रश्मि चौधरी और पूर्व महासचिव आर के गर्ग ने सभी होनहार बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

जन्मदिन में बुलाकर किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर कर रहा ब्लैकमेल

मोदीनगर। नगर की एक कॉलोनी निवासी विवाहिता को पड़ोसी ने जन्मदिन की पार्टी में बुलाया और नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रहा है। विवाहिता ने थाने में घटना की तहरीर दी है। उक्त कॉलोनी निवासी विवाहिता ने बताया कि लगभग सात माह पूर्व पड़ोसी ने उनका मोबाइल नंबर लिया। इसके बाद पड़ोसी और विवाहिता की बातचीत होने लगी। विवाहिता का आरोप है कि कुछ दिन पूर्व आरोपी पड़ोसी ने उन्हें अपनी जन्मदिन पार्टी में बुलाया। वहां पड़ोसी ने उन्हें नशीला पदार्थ दिया। बेसुध होने पर आरोपी ने दुष्कर्म कर वीडियो बनाई। आरोपी वीडियो के आधार पर विवाहिता को ब्लैकमेल करने लगा।

समाचार व विज्ञापन प्रकाशित कराने एवं हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - 8527848454

लग्जरी कार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 3 चोर गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबादः दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के राज्यों में लग्जरी कार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 3 चोरों को क्राइम ब्रांच और वेव सिटी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनसे चोरी की गई चार कार, वारदात में प्रयुक्त एक कार और फर्जी नंबर प्लेट बरामद किए गए। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वे ऑन डिमांड लग्जरी कार चोरी करते थे। करीब 12 साल से वारदात कर रहे थे। कई बार पूर्व में जेल जा चुके हैं। आरोपियों में कोई 8वीं पास तो कोई पांचवीं पास है।

एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान अलीगढ़ के जवां सिकंदरपुर निवासी अनिल कुमार, जितेंद्र कुमार उर्फ कन्हैया और बुलंदशहर के ककोड़ निवासी यामीन उर्फ भोलू उर्फ काला के रूप में हुई। अनिल और जितेंद्र हाल में विजयनगर की माता कॉलोनी में रहते थे। अनिल ने बताया कि वह 8वीं पास है। पढ़ाई छोड़ने के बाद छतरपुर दिल्ली में सब्जी और फलों का काम करने लगा।

2015 में वह बाइक मैकेनिक लड्डू से मिला और बाइक चोरी करने लगा, जिसमें वह पहली बार जेल गया। जेल में उसकी मुलाकात बसंत कुंज दिल्ली के करन से हुई। करन कार चोरी करता था। जेल से बाहर आने के बाद उसके साथ मिलकर कार चोरी करने लगा। 2023 में अलीगढ़ जेल में उसकी मुलाकात लविश उर्फ शेरू से हुई जो क्यारसी अलीगढ़ का रहने वाला था और चार पहिया लग्जरी वाहनों की चोरी करता था।

जेल से बाहर आने के बाद दोनों ने वाहन चोरी का अपना एक अलग गैंग बना लिया। इसमें अनिल, लविश, जितेन्द्र उर्फ कन्हैया, यामीन और जाहिद शामिल हैं। सभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में वाहन चोरी करने लगे। जितेन्द्र उर्फ कन्हैया ने पूछताछ में बताया कि वह सातवीं फेल है। पहले चालक था। ड्राइवरी का काम छोड़कर गाजियाबाद आ गया और एक कंपनी में कार चलाने गला। वहां सैलरी नहीं मिलने पर काम छोड़ दिया। अनिल उसके गांव का ही रहने वाला है। बचपन से ही एक-दूसरे को जानते हैं, अनिल में जितेन्द्र को कार चोरी करने वाले गैंग शामिल कर लिया। यामीन उर्फ भोलू उर्फ काला ने ने बताया कि वह पांचवीं तक पढ़ा है। पहले जाली के गेट बनाने का काम करता था। 2014 में बुलंदशहर से तार चोरी में जेल गया था। 2019 में ट्रैक्टर चोरी में सिकन्द्राबाद से जेल गया। जेल में खुर्जा के रहने वाले कार चोर अजय से मुलाकात हुई।

अजय उसे चोरी के वाहन देता और वह उसे कटवाता था। इसमें वह दिल्ली से जेल गया था। एडीसीपी ने बताया कि बरामद चोरी की चारों कार शातिरों ने दिल्ली से चोरी की थी। शातिर अनिल पर दिल्ली, हरियाणा, अलीगढ़, गाजियाबाद में 31, यामीन पर 12 और जितेंद्र पर पांच मुकदमे दर्ज हैं।

अनिल ने पूछताछ में बताया कि उनकी डिमांड पर लविश उर्फ शेरू और जाहिद पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लग्जरी गाड़ियों की चोरी करते थे। गाड़ी की डिमांड जाहिद बताता था। उसका कार का गैराज है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से नकली चाबी बनाकर उसकी नंबर प्लेट बदल देते थे।

जाहिद के गैराज पर एक्सिडेंटल व टोटल लॉस की गाड़ियों के इंजन और चेसिस नंबर चोरी की गाड़ियों पर लगा देता था। इसके बाद गाड़ियों को बेच देते थे। जाहिद को एक गाड़ी के लिए 40 से 50 हजार रुपये दिए जाते थे।